



हमने डेढ़ साल में किए पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल से ज्यादा काम : मुख्यमंत्री भजवलाल शर्मा

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजवलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम गायन पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के

सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे। शर्मा सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला युनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरुदों की अपनी विशेष पहचान है। शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को संस्कारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं

हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने



कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का

समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा

स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के

कार्य किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कुत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए इंदिरासागर, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान के अंतर्गत 35

लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेंशनरी नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कुत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री ने मोदी की कविता उद्धृत की

एजेंसी
नई दिल्ली। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक कविता का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की यह कविता आंध्र आ धन्य छे नामक गुजराती पुस्तक से उद्धृत की। त्रिनिदाद और टोबैगो में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह कविता पढ़ी। प्रधानमंत्री बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कविता उनके संघर्ष, स्मृतियों और अनुभवों की शक्ति को दर्शाती है। कविता में अतीत की यात्रा, कठिनाइयों में साथ चले लोगों की स्मृति, और उन अनुभवों की अंततः जीवन यात्रा का हिस्सा बन जाने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री मोदी की कविता (यात्रा) का पाठ करते हुए बिसेसर ने दर्शाया कि कैसे व्यक्तिगत स्मृतियां और सामूहिक संघर्ष किसी भी व्यक्ति को चेतना में स्थायी रूप से बसे रहते हैं। यह कविता न केवल मोदी के निजी अनुभवों की झलक देती है, बल्कि प्रवासी भारतीयों को भी उनकी जड़ों से जोड़ती है।

वोटर लिस्ट संशोधन पर पप्पू यादव ने उठाए सवाल, केजरीवाल को लेकर कहा- रस्सी जल गई, ऐंठन नहीं गई

पटना। बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन को लेकर सियासी घमासान मचा है। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन यानि पप्पू यादव ने बिहार चुनाव से पहले भारत निर्वाचन आयोग के इस अभियान पर सवाल उठाया है। साथ ही इंडी अलायंस से नाता तोड़ने का ऐलान कर चुके आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी आड़े हाथों लिया। मीडिया से बात करते हुए पूर्णिया सांसद ने कहा, चुनाव आयोग आरएसएस का दफ्तर है, उसका रोकना चाहिए। जो संवैधानिक दायित्व के लिए खतरा बन जाए, उसके लिए जनता तैयार है। आज हम लोग तय करेंगे। कांग्रेस प्रभारी से भी इसे लेकर बातचीत हुई है। चुनाव आयोग मुलाकात नहीं कर रही है वाले सवाल को लेकर उन्होंने कहा, चुनाव आयोग अलादीन का चिराग है क्या? आर-पार की लड़ाई होगी। बिहार और बिहारी की अस्मिता के लिए जान भी देनी पड़ेगी तो देंगे। अरविंद केजरीवाल के बिहार चुनाव अकेले लड़ने को लेकर उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है, चुनाव लड़ना सबका अधिकार है। वे बिहार आकर चुनाव लड़ें केजरीवाल को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि रस्सी जल गई पर ऐंठन नहीं गई। बिहार में महज कुछ ही महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार की विपक्षी पार्टियों ने इस कदम की तीखी आलोचना की। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्वाचन आयोग को बिहार की समस्त मतदाता सूची को निरस्त कर केवल 25 दिन में 1987 से पूर्व के कागजी सबूतों के साथ नई मतदाता सूची बनाने का निर्देश दिया है। चुनावी हार की बोखलाहट में ये लोग अब बिहार और बिहारियों से मतदान का अधिकार छीनने का षड्यंत्र कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने सवाल उठाया कि क्या 2003 के बाद से अब तक बिहार में चार-पांच चुनाव हो चुके हैं, क्या वे सब गलत हैं, अपूर्ण या अविश्वसनीय थे?



कांग्रेस-इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है: तरुण चुध
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुध ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर 'नेम प्लेट' विवाद को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। उन्होंने विपक्ष को सनातन की आस्था का अपमान न करने की नसीहत दी। समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में तरुण चुध ने कहा कि विपक्ष का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। वह पवित्र कांवड़ यात्रा पर राजनीति बंद करें, क्योंकि यह करोड़ों शिव भक्तों की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कांवड़ यात्रा को सनातन धर्म की पवित्र और कठिन धार्मिक यात्रा बताया, जो श्रावण मास में करोड़ों शिव भक्तों द्वारा की जाती है। चुध ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए कांवड़ यात्रा और सनातन धर्म का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। कांवड़ियों के खिलाफ अपशब्द और उनकी आस्था का अपमान बंद होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र अवसरों पर राजनीति से बाज आएँ। भाजपा नेता तरुण चुध ने विपक्ष के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, जब तेलंगाना, हिमाचल और कर्नाटक में विपक्ष चुनाव जीतता है, तब ईवीएम ठीक है, लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में हारने पर ईवीएम को दोषी उहाराया जाता है। ईवीएम में खराबी आ जाती है। यह दोहरा मापदंड और दोहरा चरित्र देश अब जान चुका है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के भाजपा और कांग्रेस का रिश्ता प्रेमी-प्रेमिका जैसा वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कभी कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था, मेरे पास कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ दो बोरो सबूत हैं। आज तक उस बोरो का मुंह नहीं खुला, लेकिन बाद में उसी कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार बनाई। किसने अभी लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा है। जनता ने उस आपको और उस गठबंधन को करारा जवाब दिया। केजरीवाल की नैतिकता और ईमानदारी का ढोंग-यह सब कुछ दिखा है।

कांग्रेस-इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है: तरुण चुध

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुध ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर 'नेम प्लेट' विवाद को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। उन्होंने विपक्ष को सनातन की आस्था का अपमान न करने की नसीहत दी। समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में तरुण चुध ने कहा कि विपक्ष का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। वह पवित्र कांवड़ यात्रा पर राजनीति बंद करें, क्योंकि यह करोड़ों शिव भक्तों की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कांवड़ यात्रा को सनातन धर्म की पवित्र और कठिन धार्मिक यात्रा बताया, जो श्रावण मास में करोड़ों शिव भक्तों द्वारा की जाती है। चुध ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए कांवड़ यात्रा और सनातन धर्म का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। कांवड़ियों के खिलाफ अपशब्द और उनकी आस्था का अपमान बंद होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र अवसरों पर राजनीति से बाज आएँ। भाजपा नेता तरुण चुध ने विपक्ष के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, जब तेलंगाना, हिमाचल और कर्नाटक में विपक्ष चुनाव जीतता है, तब ईवीएम ठीक है, लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में हारने पर ईवीएम को दोषी उहाराया जाता है। ईवीएम में खराबी आ जाती है। यह दोहरा मापदंड और दोहरा चरित्र देश अब जान चुका है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के भाजपा और कांग्रेस का रिश्ता प्रेमी-प्रेमिका जैसा वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कभी कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था, मेरे पास कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ दो बोरो सबूत हैं। आज तक उस बोरो का मुंह नहीं खुला, लेकिन बाद में उसी कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार बनाई। किसने अभी लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा है। जनता ने उस आपको और उस गठबंधन को करारा जवाब दिया। केजरीवाल की नैतिकता और ईमानदारी का ढोंग-यह सब कुछ दिखा है।



कांग्रेस-इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है: तरुण चुध
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुध ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर 'नेम प्लेट' विवाद को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। उन्होंने विपक्ष को सनातन की आस्था का अपमान न करने की नसीहत दी। समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में तरुण चुध ने कहा कि विपक्ष का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। वह पवित्र कांवड़ यात्रा पर राजनीति बंद करें, क्योंकि यह करोड़ों शिव भक्तों की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कांवड़ यात्रा को सनातन धर्म की पवित्र और कठिन धार्मिक यात्रा बताया, जो श्रावण मास में करोड़ों शिव भक्तों द्वारा की जाती है। चुध ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए कांवड़ यात्रा और सनातन धर्म का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। कांवड़ियों के खिलाफ अपशब्द और उनकी आस्था का अपमान बंद होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र अवसरों पर राजनीति से बाज आएँ। भाजपा नेता तरुण चुध ने विपक्ष के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, जब तेलंगाना, हिमाचल और कर्नाटक में विपक्ष चुनाव जीतता है, तब ईवीएम ठीक है, लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में हारने पर ईवीएम को दोषी उहाराया जाता है। ईवीएम में खराबी आ जाती है। यह दोहरा मापदंड और दोहरा चरित्र देश अब जान चुका है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के भाजपा और कांग्रेस का रिश्ता प्रेमी-प्रेमिका जैसा वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कभी कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था, मेरे पास कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ दो बोरो सबूत हैं। आज तक उस बोरो का मुंह नहीं खुला, लेकिन बाद में उसी कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार बनाई। किसने अभी लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा है। जनता ने उस आपको और उस गठबंधन को करारा जवाब दिया। केजरीवाल की नैतिकता और ईमानदारी का ढोंग-यह सब कुछ दिखा है।

रामायण' से 'महाकुंभ' तक... पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में किया इन बातों का जिक्र

एजेंसी
पोर्ट ऑफ स्पेन। प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया और भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो के संबंधों की शक्ति को दर्शाती है। साथ ही उन्होंने भगवान राम से लेकर महाकुंभ और त्रिनिदाद और टोबैगो की रामलीलाओं का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड दिए जाने की बात की। उन्होंने कहा कि आप सिर्फ खून या उपनाम से ही नहीं जुड़े हैं। आप अपनेपन से भी जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की अंतरिक्ष में उड़ान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, =वो समय अब दूर नहीं है कि

बिहार की विरासत को भारत के अलावा उसे दुनिया का भी गौरव बताया। उन्होंने कहा, =लोकतंत्र हो,



नहीं हैं, आदित्य मिशन के रूप में उनके पास जाने का प्रयास करते हैं। हमारे लिए अब चंद्रा मामा दूर के नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में

गडकरी ने झारखंड में 3800 करोड़ रुपये के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों की योजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

एजेंसी
रांची। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड में 3800 करोड़ रुपये से अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। गडकरी ने इस अवसर पर राजधानी रांची को चार तोहफे भी दिए। इसमें रांची में आउटर रिंग रोड का निर्माण, इलेक्ट्रिक बस का परिचालन, रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के पिलर पर सोलरई पेंटिंग करना और रांची-गनगडा-सिल्ली सड़क को फोरलेन बनाना शामिल है। रातू रोड स्थित ओटीसी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि झारखंड की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरन के पीछे मोदी सरकार अर्थात् 16 प्रतिशत और 10 प्रतिशत रह गया है और यह आगले पांच साल में नौ प्रतिशत होगा। इससे हमारे देश का निर्वात बढ़ेगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने बताया कि आगले दो वर्षों में अमेरिका की तरह देश की सड़कें होंगी। गडकरी ने बताया कि हम देश में ग्रीन एक्सप्रेस-वे बना रहे हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य

मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रातू रोड में लाल डामर की सड़क थी। अनशन करने के बाद इस सड़क को बनाया गया, लेकिन एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए उन्हें कोई अनशन नहीं करना पड़ा। उन्होंने गडकरी से रांची आउटर रिंग रोड, सिल्ली-अनगडा रोड, एलिवेटेड कॉरिडोर के पिलर पर सोलरई पेंटिंग करने और रांची में एलिवेटेड बस चलाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा की गारंटी और सुरासन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की टूटी-फूटी सड़कें अब केंद्रीय मंत्री गडकरी के प्रयास से टू-लेन और फोरलेन में तब्दिल हो रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को ट्रिनिडाद एंड टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान करने की घोषणा

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्रिनिडाद एंड टोबैगो सरकार ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ ट्रिनिडाद एंड टोबैगो' देने की घोषणा की। यह घोषणा वहां की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच आयोजित एक बड़े स्वागत समारोह में की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक यात्रा और दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान के लिए ट्रिनिडाद एंड टोबैगो की जनता और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह घोषणा की कि अब ट्रिनिडाद एंड टोबैगो में बसे भारतीय मूल के छठी पीढ़ी के लोगों

उन्होंने कहा कि उनकी यह यात्रा उस ऐतिहासिक विरासत को सम्मानित करने का अवसर है। उन्होंने भारतीय



को भी ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में ट्रिनिडाद एंड टोबैगो के 180 वर्षों पूर्व आए भारतीय मूल के लोगों के योगदान को याद किया।

दिल्ली-एनसीआर में उमस से लोग परेशान, आईएमडी ने बारिश को लेकर दिया अपडेट

एजेंसी
दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जुलाई से लेकर 10 जुलाई तक क्षेत्र में बादलों की आवाजाही और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इससे एक तरफ जहां अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी, वहीं बढ़ती उमस लोगों को परेशान भी कर सकती है। मौसम विभाग के

मुताबिक 5 जुलाई को कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश की आशंका है। इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दिन सुबह के समय गरज के साथ बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी गई है। तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास और 27 डिग्री न्यूनतम रहने की संभावना है। हवा में नमी की मात्रा

21वीं सदी की दुनिया के लिए भी बिहार की धरती से नई प्रेरणाएं और नए अवसर निकलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत से गरीबी को खत्म करने का भी जिक्र किया और कहा, भारत ने दिखाया है कि गरीबों को सशक्त करके, उन्हें समर्थ करके गरीबी को हराया जा सकता है।

पहली बार करोड़ों लोगों में विश्वास जागना कि भारत गरीबी से मुक्त हो सकता है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को बिहार की बेटी बताया। उन्होंने कहा, =त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के पूर्वज बिहार के बक्सर से थे। कमला खुद वहां जाकर भी आई हैं और लोग उन्हें बिहार की बेटी मानते हैं। प्रधानमंत्री ने 500 साल बाद अयोध्या में रामलला की वापसी का भी जिक्र किया।

अमरनाथ यात्रा: जम्मू से 6411 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना, पहले दिन 12 हजार से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

एजेंसी
श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से एक और जत्था भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। इस जत्थे में 6411 तीर्थयात्री शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार सुबह भगवती नगर यात्रा निवास से 291 वाहनों के दो सुरक्षा काफिलों में कुल 6411 यात्री कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुए। इनमें से 2789 यात्री बालटाल बेस कैम्प की ओर जा रहे हैं, जबकि 3622 यात्री पहलगाम बेस कैम्प जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 38 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के पहले दिन, गुरुवार को 12300 यात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकारों के साथ उत्साहपूर्वक तीर्थ अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा की गारंटी और सुरासन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की टूटी-फूटी सड़कें अब केंद्रीय मंत्री गडकरी के प्रयास से टू-लेन और फोरलेन में तब्दिल हो रही हैं।

साल की अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है, क्योंकि यह 22 अप्रैल के कायरापूर्ण हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित



आतंकवादियों ने पहलगाम में कथित तौर पर धर्म देखकर 26 पर्यटकों की हत्या की थी। फिलहाल यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर पर मजबूत किया गया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीपीएफ की 180 अतिरिक्त कर्नियों तैनात की गई हैं। दोनों आभार शिविरों के रास्ते में सभी शिविर और जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास से

गुफा मंदिर तक का पूरा मार्ग सुरक्षाबलों की ओर से सुरक्षित है। तीर्थयात्री बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा तक दो रास्तों से पहुंचते हैं, जिसमें एक पारंपरिक पहलगाम मार्ग है और दूसरा छोट्टा,

राज्यसभा का 268वां सत्र 21 जुलाई से



एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा का 268वां सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। आज जारी आधिकारिक संसदीय बुलेटिन के अनुसार, राज्यसभा सत्र 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कुल 21 बैठकें होंगी। संसदीय बुलेटिन के अनुसार, राष्ट्रपति ने सोमवार, 21 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली में राज्य सभा की बैठक बुलाई है। कार्य की अनिवार्यता के अधीन, सत्र का समापन गुरुवार, 21 अगस्त, 2025 को होना निर्धारित है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13 और 14 अगस्त को संसद की कोई बैठक नहीं होगी। आगामी मानसून सत्र ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला संसद सत्र होगा। इस ऑपरेशन को भारत ने 07 मई को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया था। पहलगाम में 26 लोगों की जान चली गई थी। संसद का बजट सत्र इस साल जनवरी में हो चुका है।

लोकन कठिन बालटाल मार्ग है। पहलगाम रूट पर गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए चंदनवारी, शोपनाग और पंचतरणी से गुजरना पड़ता है, जिसमें कुल 46 किमी की दूरी तय करनी होती है। बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किमी की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा करने के बाद उसी दिन बेस कैम्प वापस लौटना पड़ता है।

और 25 डिग्री न्यूनतम रहेगा। ह्यूमिडिटी में मामूली अंतर देखा जाएगा, लेकिन गर्मी से कुछ राहत जरूर मिलेगी। 9 और 10 जुलाई को बारिश या गरज-चमक के साथ बौझरें पड़ने की उम्मीद है। हालांकि इन दोनों दिनों के लिए कोई चेतावनी नहीं दी गई है, लेकिन आसमान में बादलों की उपस्थिति और नमी के कारण

वातावरण नम बना रहेगा। लगातार बारिश के चलते दिल्ली-एनसीआर के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिलेगी। 9 और 10 जुलाई को बारिश या गरज-चमक के साथ बौझरें पड़ने की उम्मीद है। हालांकि इन दोनों दिनों के लिए कोई चेतावनी नहीं दी गई है, लेकिन आसमान में बादलों की उपस्थिति और नमी के कारण

संक्षिप्त समाचार

भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में बैठक आयोजित की जी गई

रिपोर्ट - अनुमंडल संवादाता (गोह)

गोह। गोह प्रखंड मुख्यालय में भाकपा माले की बैठक आहूत की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने किया। बैठक में सदस्यता नवीनीकरण करने, प्रखंड सम्मलेन आयोजित करने, 12 जुलाई को कई ज्वलंत मुद्दे को लेकर प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करने सहित कई मुद्दे पर चर्चा की गई। इस मौके पर पर पार्टी के जिला मंत्री मुनारिक रामज सांसद प्रतिनिधि देवसल पासवान, शिवशंकर साव, दीनानाथ मांझी, मुकेश पासवानज केशो दास सहित कई पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री सीमेंट प्लांट के उरफांड से विष्णुधाम परिसर का सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द शुरू होगा संयंत्र प्रमुख - अतुल शर्मा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सदर प्रखंड के ग्राम जम्होर में स्थित विष्णुधाम परिसर का जल्द ही कायाकल्प बदलने वाला है,जी हां मैं बात कर रहा हूँ विष्णुधाम परिसर को लेकर बताते चलें कि विष्णुधाम मंदिर में लगभग 15 वर्षों से विष्णु धाम महोत्सव का कार्य चलाया जा रहा था यह महोत्सव कई सामाजिक संस्था के निजी फंड से आयोजित किया जाता था इस विष्णु धाम महोत्सव को राजकीय दर्जा देने के लिए विगत 4 वर्षों से इस धाम के अध्यक्ष अजीत कुमार



सिंह के द्वारा प्रयास किया जा रहा था इस प्रयास में वह सफल भी हुए तब अंत में जाकर बिहार सरकार ने फरवरी 2025 में राजकीय महोत्सव मेला का दर्जा दिया गया। इसी कड़ी में श्री सीमेंट प्लांट के संयंत्र प्रमुख अतुल शर्मा ने भेंट वार्ता के दौरान बताया कि श्री सीमेंट प्लांट के उरफांड से विष्णुधाम परिसर का सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा और यह विष्णुधाम मंदिर एक नया कायम हासिल करेगा, आगे इन्होंने कहा कि श्री सीमेंट प्लांट के तरफ से औरंगाबाद जिले में कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं और करते आ रहा है देव सूर्य मंदिर परिसर में लगभग लाखों लाख रूपए से कार्य कराए गए हैं जो आज जमीनी धरातल तक देखा जा सकता है श्री सीमेंट प्लांट की तरफ से हर क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य,पेयजल, स्वच्छता के साथ साथ हर सामाजिक कार्य में अग्रणी भूमिका निभाता है। आगे संयंत्र प्रमुख अतुल शर्मा ने कहा कि विष्णुधाम मंदिर का सौंदर्यीकरण श्री सीमेंट के प्रबंधन ने यह कार्य आर्वाटित किया गया है। जम्होर विष्णुधाम मंदिर का सौंदर्यीकरण का कार्य देव सूर्य मंदिर के समान ही किया जायेगा। इसके अलावा इस मंदिर प्रांगण में हाइ मास्क लाइट एवं पुनगुन नदी के किनारे मोक्ष धाम का कार्य भी एक दो दिनों के अंदर प्रारंभ कर दिया जाएगा इसके लिए भी एजेंसी का चयन कर लिया गया है। और अंत में इन्होंने कहा कि श्री सीमेंट प्लांट बिहार भर में जीएसटी टैक्स के रूप में सबसे ज्यादा श्री सीमेंट प्लांट औरंगाबाद की इकाई ने 255 करोड़ रूपए बिहार सरकार को टैक्स के रूप में प्रदान किया गया है,इस कर अदावगी से बिहार सरकार ने श्री सीमेंट प्लांट इकाई औरंगाबाद को भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला लिया और इस भामाशाह पुरस्कार को बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्री सीमेंट प्लांट इकाई औरंगाबाद के संयंत्र प्रमुख अतुल शर्मा को इस भामाशाह सम्मान पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति पत्र और एक लाख रूपए का चेक देकर सम्मानित किया।

बेगमपुरा के पास फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में तहत फ्लाईओवर निर्माण का कार्य चल रहा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र के गुणीहारी पंचायत अंतर्गत मंडई, बेगमपुरा के पास फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में तहत फ्लाईओवर निर्माण का कार्य चल रहा है इसी दौरान शुक्रवार को संबोधित निर्माण कंपनी के हाईवा चालक गीरीडिह जिला के जोड़ा साख गांव निवासी कृष्ण कुमार (25) हाइवा में मिट्टी लेकर निर्माण कार्य स्थल में हाइवा का डाला उठाकर मिट्टी खाली कर रहा था। काफी देर लगने के कारण वह उतरकर डाला के पास जाकर देखने लगा कि इतना देर क्यों हो रहा है। तभी अचानक टोली उसके के ऊपर गिर गया। जिसके चपेट में आने से वह बुरी तरह घायल हो गया।

ईश्वर की कृपा से सब काम हो रहा है - कौशिक जी महाराज

भक्तों की जयकारा के साथ दिवसीय देवी भागवत का हुआ समापन



जमालपुर।

श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम के तृतीय स्थापना दिवस के पावन अवसर पर भारवाड़ी धर्मशाला में चल रहे नौ दिवसीय देवी भागवत का भक्तों की जयकारा के साथ समापन हुआ। कौशिक जी महाराज ने माता रानी का गुणगान करते हुए जमालपुर के श्रद्धालुओं को बताया कि माता रानी के प्रेमी, माता रानी के परम भक्त माता के पावन कथा को सुनने के लिए नौ दिनों से लगातार कथा स्थल पर पहुंच रहे थे। हजारों की संख्या में भक्त जनों का कथा में उपस्थिति का उन्होंने दिल से अभिनंदन किया। गुजरात से पधारे कौशिक जी महाराज ने माता रानी को नमन करते हुए भक्तों को बताया कि इस संसार में अच्छे या बुरे कर्म भोगे बिना हम इस संसार को नहीं छोड़ सकते हैं। अपने जीवन में आप जो भी अच्छाई कर रहे हैं, उसका आप आनंद लीजिए, अभिमान मत कीजिए। ईश्वर की कृपा से सब काम हो रहा है, ऐसा मानने से आप जीवन में थकेगी नहीं। मनुष्य जीवन का भूल धर्म है और धर्म का मूल सदाकार है। हम जो भी हैं, हमारे शास्त्र हमें उससे ऊपर उठते हैं। हम सभी को इस माया तन्त्री से बचना है तो अपनी इष्ट देव का कीर्तन करते रहना चाहिए। कथा के समापन में माता रानी का जागरण के तहत स्थानीय कलाकार अंकित शर्मा के द्वारा एक से एक भजनों की हाजीरी के माध्यम से किया गया। श्रद्धालु आशीष शाह, अनिमेष चौरसिया एवं रहित ने श्री मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में अनेोजित नवदिवसीय देवी भागवत के समापन पर बताया कि श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम, देवी भागवत कार्यक्रम समिति एवं महेश संघई के सहयोग से देवी भागवत का कार्यक्रम जमालपुर शहरवासी को धर्म ध्वजा के नीचे लाकर भक्तिमय कर दिया। ऐसे कार्यक्रम से शहरवासी पूरा आनंदित हुए। मौके पर महेश संघई, मनीष शंघई, गिरधर संघई, योगेश अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, दिनेश जोशी, गोपाल अग्रवाल, जयशंकर शर्मा, सुनील जालान, श्याम शाह, कमलेश खेतान, अंकित शर्मा, संजय अग्रवाल, सुजीत संघई, माधव मस्कारा, प्रदीप छापड़िया,संतु खेतान, पवन बुढ़िया, पुरषोत्तम मेहरिया एवं हजारों भक्तगण की मौजूदगी रही।

टियर-2 शहरों में क्रिप्टो की लहर: देश के छोटे निवेशकों को सुरक्षा की सख्त जरूरत

नई दिल्ली ,।

भारत में क्रिप्टो का चलन अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। जो क्रांति कभी बेंगलुरु के टेक स्टार्टअप या मुंबई के निवेश फर्मों तक सिमटी हुई थी, वह अब देश के छोटे और मध्यम शहरों तक पहुंच गई है। जयपुर, कोयंबटूर, डिब्रूगढ़ जैसे कस्बों की गलियों में अब क्रिप्टो एक नई उम्मीद बनकर उभर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि आज देश में जितना क्रिप्टो ट्रेड हो रहा है, उसका लगभग आधा हिस्सा टियर-2 और टियर-3 शहरों से आ रहा है। कई इलाकों में हर साल इसमें 40 प्रतिशत से भी अधिक की तेजी देखी जा रही है। इस बदलाव के पीछे केवल जिज्ञासा नहीं है, बल्कि जमीनी हकीकत भी है। छोटे शहरों में आज भी बहुत से लोगों के पास न तो पूंजी बाजारों तक पहुंच है, न ही भरोसेमंद बैंकिंग सुविधाएं या स्थिर आमदनी। ऐसे में छत्र, गृहणियां और छोटे दुकानदार क्रिप्टो को एक ऐसे विकल्प के रूप में देख रहे हैं, जिससे वे इन बाधाओं को पार कर सकें। ज्यादातर

लोग 10,000 जैसे छोटे निवेश से शुरुआत कर रहे हैं, जिससे यह साफ झलकता है कि यह चलन ना तो सिर्फ लालच में है और ना ही बिना सोच-विचार के - यह एक उम्मीद भरा प्रयास है कि थोड़ी-बहुत बचत को कहीं बेहतर जगह लगाया जाए। आज पटना, सूरत, इंदौर जैसे शहरों में लोग चाय की दुकानों और छोटे-बड़े बाजारों में भी क्रिप्टो की बातें नजर आते हैं। भारत के दस सबसे ज्यादा क्रिप्टो-एक्टिव शहरों में से सात अब मेट्रो शहर नहीं, बल्कि टियर-2 शहर हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि अब स्मार्टफोन सरसे हो गए हैं और इंटरनेट लगभग हर हाथ तक पहुंच गया है। महामारी के बाद आई डिजिटल आदतों और रिमोट वर्क कल्चर ने भी इस बदलाव को गहराई दी है। आज का युवा क्रिप्टो को केवल मुनाफे की चाह में नहीं, बल्कि वैश्विक वित्तीय दुनिया को समझने और उसका हिस्सा बनने के मौके के तौर पर देखता है। और यह बदलाव पूरी तरह स्थानिय स्तर पर हो रहा है। नागपुर जैसे शहरों में क्रिप्टो ट्रेडिंग देने वाले संस्थानों में छत्र रिर्काई स्तर पर



नाम लिखवा रहे हैं। एक ट्रेडर का कहना है कि उन्होंने 2023 के बाद से 1,500 से ज्यादा नए लोगों को क्रिप्टो के बारे में सिखाया है। भारतीय यूजर्स के लिए बनाए गए लोकल ऐप्स, यूट्यूब वीडियो जो हिंदी और अन्य भाषाओं में उपलब्ध हैं, और दोस्तों के साथ चर्चाएं, इन सबने इस तकनीकी विषय को आम लोगों के लिए भी समझना आसान बना दिया है। यही वजह है कि आज भारत को दुनिया में

सबसे ज्यादा जमीनी क्रिप्टो अपनाते वाला देश माना जा रहा है। महिलाएं भी इस बदलाव का अहम हिस्सा बन रही हैं। हाल की एक रिपोर्ट बताती है कि महिला निवेशकों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में दस गुना इजाफा हुआ है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों से कई महिलाएं अब क्रिप्टो में निवेश कर रही हैं। उनके लिए यह केवल एक तकनीकी नया माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक आजादी

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भाजपा ने भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्र चेतना को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को युवा मोर्चा के जीतू सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने मूलमंत्र देते हुए कहते हैं कि एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रचारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही ब्रिटिश भारत के दौरान राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त विवेकानंद ने जातिवाद, शिक्षा, राष्ट्रवाद, धर्म निरपेक्षतावाद, मानवतावाद पर अपने विचार प्रस्तुत किये हैं। वि-



वेकानंद की शिक्षाओं पर उपनिषद्, गीता के दर्शन, बुद्ध एवं ईसा मसीह के उपदेशों का प्रभाव है। उन्होंने वर्ष 1893 में शिकागो विश्व धर्म सम्मलेन में वैश्विक ख्याति अर्जित की तथा इसके माध्यम से ही भारतीय अध्यात्म का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार

हुआ। वर्ष 1893 में खेतड़ी राज्य के महाराजा अजीत सिंह के अनुरोध पर उन्होंने 'विवेकानंद' नाम अपनाया। उन्होंने विश्व को वेदांत और योग के भारतीय दर्शन से परिचित कराया। वर्ष 1902 में वेल्स मठ में उनकी मृत्यु हुई थी। अपने भाषण के दौरान स्वामी वि-

वेकानंद जी ने कहा था कि अमरीकी भाइयों और बहनों, आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है, मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से धन्यवाद देता हूँ, सभी जातियों और संप्रदायों के लाखों-करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूँ, मैं इस मंच पर बोलने वाले कुछ वक्ताओं का भी धन्यवाद करना चाहता हूँ जिन्होंने यह जाहिर किया कि दुनिया में सहिष्णुता का विचार पूर्वक देशों से फैला है, मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से हूँ जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है। हम सिर्फ सार्वभौमिक सहिष्णुता पर ही विश्वास नहीं करते बल्कि, हम सभी धर्मों को सच के रूप में स्वीकार करते हैं। कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र त्रिवेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शबरी पाल, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, पवन भगत, आलोक मंडल उपस्थित हुए।

दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा के 42 सफल विद्यार्थी 6 जुलाई को होंगे सम्मानित



देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान, साईंस एवं मैथमेटिक्स डेवलपमेंट आगेनाइजेशन तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के संयुक्त बैनर तले माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 के 42 सफल विद्यार्थियों को आगामी 6 जुलाई, दीनबंधु उच्च विद्यालय स्थित रवीन्द्र सभागार में पुरस्कृत किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए विवेकानंद संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- 90 प्रतिशत एवं उससे ऊपर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद इंस्पिरेशन अवार्ड, 80 से 89.99 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रो. एम. स्वामीनाथन इंस्पिरेशन अवार्ड जैविक 60 से 79.99 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों

को रयोगमाया देवी इंस्पिरेशन अवार्ड की मानद उपाधि से अलंकृत एवं विभूषित की जाएगी। प्राप्त सूची के मुताबिक जसोडीह संत फ्रांसिस स्कूल के क्षितिज भास्कर को 91.2 प्रतिशत, डॉ. ए. एन. खोसला डीएवी पब्लिक स्कूल, राउरकेला, स-दुरगढ़, ओडिशा की सोहानी कुमारी को 91.2 प्रतिशत, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय, रोहिणी की रिया कुमारी एवं साधना कुमारी को क्रमशः 94.4 एवं 93.4 प्रतिशत, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल के अनुपम भारद्वाज को 93 प्रतिशत एवं ब्लू वेल्स स्कूल की अलिफ्या हुसेन को 92 प्रतिशत अंक दसवीं बोर्ड में प्राप्त करने हेतु, स्वामी विवेकानंद इंस्पिरेशन अवार्ड के लिए, इसी विद्यालय की स्वीटी कुमारी को. प्रतिशत, ब्लू वेल्स स्कूल की संचिता रम्या एवं प्रेरणा कुमारी को क्रमशः 84.2 एवं 88 प्रतिशत, देव वैली हाई स्कूल की सुहानी कुमारी को 82.4 प्रतिशत, उन्नतित उच्च विद्यालय, कोटिया की अंजलि सिन्हा को 81.4

प्रतिशत, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल की चाहत पिया को 88.4 प्रतिशत, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय की परी कुमारी झा को 80 प्रतिशत, एस. एस. बी. एस. एम. जी. हाई स्कूल, सुईयाघूठी, बांका, बिहार के ऋतु राज को 89.8 प्रतिशत, बारहवीं में रमा देवी बाजला महिला महाविद्यालय की निशा कुमारी को 81.4 प्रतिशत, मातृ मंदिर गर्ल्स प्लस टू हाई स्कूल की सरस्वती कुमारी एवं यशोदा कुमारी को क्रमशः 81.4% एवं 82.8% प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन इंस्पिरेशन अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। इस वर्ष स्वामीनाथन जी की शतावर्षिकी मनाई जा रही है। वे भारत के अनुभवी-शक वैज्ञानिक थे जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक माना जाता है। प्रस्तावित उच्च विद्यालय, बामनडीहा के आदित्य कुमार को 61.6 प्रतिशत, जसोडीह संत फ्रांसिस स्कूल के कुमार ऋषभ को 70.4 प्रतिशत, आशुतोष विद्यालय की दीक्षा ओझा को 68.2 प्रतिशत, श्रुति कुमारी को 70 प्रतिशत, खुशी कुमारी को 74 प्रतिशत, साक्षी केशरी को 76 प्रतिशत, कुमारी रम्भा श्री को 74 प्रतिशत, तन्नु कुमारी को 78.4 प्रतिशत, सभ्यता कुमारी को 67.6 प्रतिशत, प्रीति कुमारी को 60 प्रतिशत, रुक्मिणी कुमारी को 67.6 प्रतिशत, रुक्मिणी कुमारी को 64.8 प्रतिशत, रामेश्वर लाल सर्राफ उच्च विद्यालय के आयुष कुमार को 78 प्रतिशत, बा-रहवाँ बोर्ड में ए. एस. कॉलेज की अर्चना कुमारी को 73.4 प्रतिशत, देवघर महाविद्यालय के अभिषेक कुमार एवं पीयूष कुमार साह को क्रमशः 75.2 एवं 77 प्रतिशत, रमा देवी बाजला महिला महाविद्यालय की परी गुप्ता को 76.8 प्रतिशत, रानी गुप्ता को 77.6 प्रतिशत, दिव्यांका साह को 75.8 प्रतिशत, सोहानी साह को 76.2 प्रतिशत, आकांक्षा साह को 78.2 प्रतिशत, अंजलि केशरी को 74.2 प्रतिशत, पी. एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, रिखिया, जसोडीह की आयुषी सतोषी को 72 प्रतिशत, एस. एन. प्लस टू हाई स्कूल, मोहनपुर हाट की पायल कुमारी को 78 प्रतिशत, तक्षशीला विद्यापीठ की जिया को 67.6 प्रतिशत अंक प्राप्त हेतु रयोगमाया देवी इंस्पिरेशन अवार्ड के लिए चयनित किया गया है।

का रास्ता है - एक ऐसा विकल्प जो पारंपरिक बचत योजनाओं और सोने की खरीद से आगे जाता है हालांकि इस उत्साह के साथ-साथ जोखिम भी लगातार बढ़ रहे हैं। जहां एक ओर कई लोग अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निवेश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बहुत से नए निवेशक धोखाधड़ी का शिकार भी हो रहे हैं। छोटे शहरों में अब भी भरोसेमंद जानकारी की भारी कमी है। कई लोग खुद से सीखने की कोशिश करते हैं या फिर व्हाट्सएप फॉरेवर्ड, टेलीग्राम ग्रुप और यूट्यूब जैसे अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर रहते हैं। यही वजह है कि वहां फर्जी ऐप्स, स्कैमर्स और स्कैमर्स के लिए रास्ता खुल जाता है हाल के महीनों में कई धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। जून 2025 में लखनऊ में पुलिस ने 80 लाख के USDT ट्रांजैक्शन के जरिए चल रही एक धोखाधड़ी का खुलासा किया, जिसमें सभी आरोपी युवा थे। सूरत में जोधपुर के दो युवकों ने करोड़ों की क्रिप्टो मनी लॉन्ड्रिंग की, और वह पैसा चीन, पाकिस्तान और म्यांमार जैसे देशों में भेजा गया।

जयपुर, भोपाल, रतलाम और इंदौर जैसे शहरों में भी ऐसे ही कई मामले सामने आए हैं, जहां पहली बार निवेश करने वाले युवाओं को जल्दी मुनाफे का लालच देकर ठग लिया गया। एक MBA छात्र को फर्जी इन्वेस्टमेंट ग्रुप ने पहले छोटे-छोटे लाभ दिए और फिर उसकी पूरी जमा पूंजी हड़प ली। मार्च 2025 में ओडिशा के बेरहामपुर में 6.16 करोड़ की ठगी के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो एक फर्जी "ZAIF" नामक क्रिप्टो ऐप चला रहे थे। भारत के छोटे शहरों ने क्रिप्टो को पूरी ताकत और उम्मीद के साथ अपनाया है। यह सिर्फ एक चलन नहीं, बल्कि एक नई आर्थिक सोच का संकेत है। लेकिन अगर सही सुरक्षा इंतजाम और स्पष्ट नियम नहीं बनाए गए, तो यह लहर बहुत जल्दी संकट में बदल सकती है। सरकार के पास अब विकल्प नहीं बचे हैं - नियमन और टैक्स सुधार अचं ज़रूरत बन चुके हैं। वरना भारत इस दौड़ में लीडर बनने की बजाय एक अशुभी क्रांति की मिसाल बन जाएगा।

आनंदमार्गीय प्रथम संभागीय त्रीदिवसीय सेमिनार का आयोजन

मानव शरीर एक जैविक मशीन है प्रवृत्तियों द्वारा संचालित साधना का विज्ञान



साधना ही जीवन का सार है और साधना ही मनुष्य का धर्म है

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-आनंदमार्ग जागृति,राजाबागीचा,आर मित्रा विद्यालय के प्रांगण में प्रधानाचार्य महोदय संतोष कुमार यादव ने आचार्य जी का स्वागत माल्यार्पण करके किया।ततपश्चात आचार्य रागानुगाणंद अवधूत जी ने छत्र एवं छात्राओं के जीवन में साधना के महत्व पर चर्चा की।उन्होंने बताया कि पांच चीजों को अगर आप करते हैं तो सफलता आपकी कदम चूमेगी।एकाग्रता,यादशत क्षमता,ईच्छा शक्ति, अनुशासन एवं निर्णय लेने की क्षमता आदि।इन सभी का रास्ता साधना की ओर होकर जाता है।नियमित साधना करने से जीवन विकसित एवं सफल होगा।इसके पश्चात भुक्ति प्रधान सुनील जी ने आचार्य रागानुगाणंद अवधूत जी एवं आचार्य ब्रजगोपालानंद अवधूत जी का माल्यार्पण करके प्रथम संभागीय त्रिदिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया।सेमिनार में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए आचार्य रागानुगाणंद अवधूत ने विषय रमानव शरीर एक जैविक यंत्र है शक्ति पर उन्होंने कहा कि मानव शरीर कोई साधारण संरचना नहीं,बल्कि एक-जटिल जैविक मशीन है,जिसे मान-रिक्त प्रवृत्तियों की प्रेरक शक्ति द्वारा संचालित किया जाता है।यह शरीर हमारा नहीं, बल्कि परम सत्ता का है, जिसने मन को इस शरीर में कार्य करने की अनुमति दी है। आत्मा केवल स-िधौ है; वह देखती है, लेकिन हस्तक्षेप नहीं करती।मनुष्य के शरीर में दस इंद्रियाँ पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ और पाँच कर्मेन्द्रियाँ हैं तथा एक अन्तःकरण होती है।ये इंद्रियाँ दसों दिशाओं में कार्य करती हैं,और इन्हीं क्रियात्मक अभिव्यक्तियों से धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों का प्रतीकात्मक निरूपण होता है,जो

महाभारत के माध्यम से आत्म संघर्ष की गहराई को दर्शाते हैं।महाभारत का यह प्रतीकात्मक विवेचन बताता है कि धृतराष्ट्र अंधा मन है, पांडव पाँच तत्त्व हैं, कृष्ण सहस्रार चक्र हैं और संजय स्वदेवदशील बहिरकर्म का क्षेत्र है, और धर्मक्षेत्र आंतरिक साधना का क्षेत्र। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, यह समझना आवश्यक है कि शरीर की गतिविधियाँ केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक प्रवृत्तियों से भी प्रभावित होती हैं। उदाहरण के लिए, मनुष्य का संकोच या उत्साह, हृदय की उप-ग्रथियों और हार्मोन स्त्राव से नियंत्रित होता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि प्रत्येक व्यक्ति साधना के माध्यम से अपनी ग्रथियों, तंत्रिकाओं और भावनाओं पर नियंत्रण प्राप्त करे। जब यह नियंत्रण प्राप्त होता है, तब व्यक्ति सामान्य मानव मनोविज्ञान से ऊपर उठकर अधिमान्य बन जाता है। हम सभी से आह्वान करते हैं कि जो भी कार्य करें समाज सेवा,अध्ययन,अध्ययन-सहायता इव वह सब इस एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर हो: आपकी साधना में प्रगति,अन्यों की साधना में सहायक होना यही मनुष्य के जीवन का मुख्य उद्देश्य है।साधना करना,आत्मोन्नति करना, और परमात्मा के समीप जाना।जैव-मन-विज्ञान के इस गूढ़ विज्ञान को आत्मसात कर, हर साधक को यह प्रयास करना चाहिए कि वह अपने शरीर रूपी मशीन को ठीक प्र-कार से समझे, संचालित करे, और साधना के पथ पर आगे बढ़े। इस अवसर पर आचार्य ब्रजगोपालानंद अवधूत, आचार्य भवानंद अवधूत, आचार्य मधुगोपालानंद अवधूत, आचार्य अमितबोधानंद अवधूत, अवधूतिका आनंद विष्णुमाया आचार्य आनंद उतीर्णा आचार्य, ब्राह्मचारिणी लावण्या आचार्य एवं बहुत सारे भक्तगण सेमिनार में भाग ले रहे हैं।

इलाज के दौरान महिला होम गार्ड की हुई मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एम्स अस्पताल देवघर में इलाज के दौरान महिला होम गार्ड की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि बड़ा शेखपुरा निवासी लाल बहादुर यादव की पुत्री निशा कुमारी देवघर में भाड़े के रूप में रहकर होम गार्ड की ड्यूटी उपायुक्त कार्यालय में करती थी। उसके पेट में अचानक तीव्र दर्द होने लगा। आनन फानन में उसे एक निजी क्लिनिक ले गया। स्थिति गंभीर देखते हुए उसे वहां एम्स अस्पताल के इमर्जेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इलाज कर रहे चिकित्सक ने बताया कि प्रथम दृष्टया से जहरीला पदार्थ सेवन करने की बात बताई है। हालांकि पूरी तरह से पोस्ट मार्टम रिपोर्ट से खुलासा होगा। लाश को पोस्ट मार्टम हाऊस में रखा गया है। देवीपुर पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। प्रतिक की बहन भी होमगार्ड में है और उसकी ड्यूटी मधुपुर प्रखंड कार्यालय में है। घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला!

बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा।

राजेंद्र शर्मा

यह अगर संयोग ही है, तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है। 25 जून को, जिस दिन बड़े जोर-शोर से संविधान हत्या दिवस के नाम से मौजूदा शासन द्वारा इंदिरा गांधी की इमरजेंसी की पचासवीं बरसी मनायी जा रही थी, ठीक उसी रोज बिहार में, जहां अब से कुछ ही महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या स्पेशल इंटेसिव रिव्यू (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो रही थी। इस तरह, जिस तारीख से संविधान तथा जनतंत्र के लिए खतरनाक निहितार्थों के साथ इमरजेंसी निजाम की शुरुआत हुई थी, ठीक उसी तारीख से मतदाता सूचियों में भारी काट-छंट की यह प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके जनतंत्र की बुनियाद, सार्वभौम व्यवस्था मताधिकार के लिए ही खतरनाक नतीजे होने जा रहे हैं।



असंभव है। समय सूची के अनुसार, 24 जून को भारत के चुनाव आयोग द्वारा उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण का नोटिस जारी किए जाने के बाद, महीने भर के अंदर सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के हस्ताक्षरित फार्म बृथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से/आयोग की वैबसाइट के जरिए आयोग के पास पहुंच जाने चाहिए, ताकि संशोधित मतदाता सूची में इन नामों को शामिल किए जाने पर विचार किया जा सके। याद रहे कि वंचे हुए एक महीने से कम समय में जिन मतदाताओं के हस्ताक्षरकृत तथा आवश्यक प्रमाणपत्रों से युक्त फार्म आयोग के पास पहुंच जाएंगे, उनके और सिर्फ उन्हीं के नाम संशोधित

मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद-ब-खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे।

मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद-ब-खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे।

सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए है। एक महीने से कम समय में यह प्रक्रिया पूरी होना असंभव है। बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा। फिर भी मुद्दा सिर्फ इस पूरी प्रक्रिया के लिए अपनी जो उपलब्ध समय का ही नहीं है, बल्कि बिहार के संदर्भ में इस जल्दबाजी का भी विशेष अर्थ भी है और महत्व भी।

इसी दौरान चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष सचन पुनरीक्षण का यह प्रोजेक्ट पूरे देश के पیمان पर लागू किया जाएगा - पहले बिहार में, फिर उन राज्यों में जहां अगले चक्र में विधानसभाई चुनाव होने हैं और फिर बाकी सभी राज्यों में भी। इस संदर्भ में समय-सारणी की अनुपयुक्तता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण इस प्रक्रिया के लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से जुड़े अन्य मुद्दे हो जाते हैं। अंग्रेजी की यह कहवात इस पर एकदम फिट बैठती है कि- डेविल इज इन डिटेल यानी राक्षस तो ब्यौरों में है!

बहरहाल, प्रक्रिया के इन ब्यौरों में जाने से पहले, एक नजर यह निर्णय जिस तरह लिया गया है, उसके अलोकतांत्रिक मनमानेपन पर डालना भी अनुपयुक्त नहीं होगा। हैरानी की बात नहीं है कि बिहार में ही नहीं, बल्कि देश भर में लगभग समूचे विपक्ष ने चुनाव आयोग द्वारा बम की तरह अचानक अपने सिर पर इस फैसले के फोड़ दिए जाने की भी तीखी आलोचना की है। नये मुख्य चुनाव आयुक्त के आने के बाद, राजनीतिक पार्टियों के साथ परामर्श में भी और आम तौर पर भी चुनाव आयोग ने आने वाले समय के लिए अपनी जो डेड दर्जन प्राथमिकताएं बतायी थीं, उनमें इसका कोई जिक्र नहीं था। यहाँ तक कि बिहार में राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की ऐन पूर्व-संध्या में बुलायी गयी आखिरी बैठक में भी इसका कोई जिक्र नहीं था। जैसे चुनाव आयोग को एक दिन अचानक मतदाता सूचियों में ऐसा पुनरीक्षण कराने की जरूरत का इलहाम हुआ और उसने राजनीतिक पार्टियों से, जो चुनाव में मुख्य खिलाड़ी होती हैं, किसी भी चर्चा के बिना ही यह फैसला थोप दिया। लेकिन क्यों? जाहिर है कि चुनाव आयोग ने इसके पक्ष में मतदाता सूचियों को स्वच्छ बनाने की दलील दी है। नये नाम जुड़ने तथा मुक्तकों के नाम कटने की कमजोरियाँ से लेकर, फलायन से लेकर अवैध घुसपैठ तक की दलीलें दी हैं।

लेकिन, ये दलीलें बहानेबाजी ही ज्यादा लगती हैं। इस बहानेबाजी में जो सांप्रदायिक इशारे झांके रहे हैं, वे भी किसी से छुपे नहीं रहेंगे। सच्चाई यह है कि बिहार से अब 9 जो प्रक्रिया शुरू हो रही है, एक प्रकार से समूची मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने की प्रक्रिया है। क्या 2024 के आम चुनाव जिस मतदाता सूची के आधार पर हुए थे, उसे पूरी तरह से खारिज करने के जरिए चुनाव आयोग आम चुनाव की वैधता को ही खारिज नहीं कर रहा है। यह सिर्फ बिहार में चुनाव के लिए ही नहीं है, पूरे देश में आम चुनाव के लिए ही है, क्योंकि यह नुस्खा पूरे देश के लिए ही पेश किया जा रहा है। यह दिलचस्प है कि चुनाव आयोग ने चंद महीने पहले ही देश भर में मतदाता सूचियों के समरी रिवीजन की प्रक्रिया पूरी की थी। उसके बाद अचानक मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने का निर्णय लिए जाने की क्या तय्यक है? अब हम ब्यौरों पर आते हैं। इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति या प्रक्रिया के ब्यौरों का पहला पक्ष, उसके मूल सिद्धांत का है। अब तक भारत में मतदान सूची में लोगों को भर्ती करना राज्य या शासन की जिम्मेदारी रही है। मताधिकार की आयु पूरी होते ही, हरेक व्यक्ति मत का अधिकारी हो जाता है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज करना चुनाव आयोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानता आया है।

संपादकीय

चीन हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा

उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन से टकराव: 14वें दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी Gaden Phodrang Trust को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का कहना है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए।

दलाई लामा की ताकत: तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं - वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं - चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है।

भू-राजनीतिक असर: चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे।

दबाव डालने का मौका: चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगांम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

योगेश कुमार गोयल

बरसात के मौसम में हर साल जैसे ही आसमान में काले बादल मंडरने लगते हैं, भारत के पहाड़ी राज्यों में एक खौफ साथ चलने लगता है, बादल फटने का। यह एक ऐसी विनाशकारी प्राकृतिक आपदा है, जो कुछ ही पलों में जनजीवन को तहस-नहस कर देती है और मानव जीवन के साथ वन संपदा और बुनियादी ढांचे को भी तबाह कर देती है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और मंडी में इस समय बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। हाल में मंडी के करसोग और धर्मपुर में और पिछले माह कुल्लू के सैंज घाटी में बादल फटने की घटना ने न केवल कई घरों को उजाड़ दिया बल्कि पूरे वन क्षेत्र और जनसंपत्ति को भी व्यापक नुकसान पहुंचाया। आसमान से बरसे पानी ने नालों को उफनीत नदियों में बदल दिया। सड़कों को मलबे से ढक दिया, कुछ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लापता हो गए। शिलांगढ़ की चोटियों पर अचानक बादल फटा, जिससे मूसलाधार बारिश और पहाड़ी ढलानों से बाढ़ जैसा बहाव नीचे की ओर बढ़ने लगा। सड़कें, पुल, बिजली और जल आपूर्ति जैसी आधारभूत संरचनाएं बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुईं। शहरी से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक चारों तरफ तबाही का मंजर बन गया। जीवा नाला और गड़सा क्षेत्र में जलप्रवाह इतना तीव्र था कि रास्ते में आए रई, तोप और देवदार जैसे मूल्यवान वृक्ष तक बह गए।

वन विभाग के अनुमान के अनुसार, गड़सा और पार्वती रेंज की लगभग 20 हजार हेक्टेयर वन संपदा प्रभावित हुईं। वन निगम द्वारा स्लीपर बनाने के लिए संग्रहित लकड़ी भी बह गई। वन विभाग के अनुसार, केवल गड़सा रेंज में ही 2022 से अब तक 8000 क्यूबिक मीटर लकड़ी निकाली गई थी, जो बादल फटने से आई बाढ़ में बह गई। बादल फटने की इस घटना ने एक बार फिर हमें यह सोचने पर विवश कर दिया है कि आखिर क्यों पहाड़ों में ये घटनाएं बार-बार हो रही हैं? और क्या हम इनसे बचाव की कोई पुष्टता रणनीति तैयार कर पा रहे हैं? जलवायु परिवर्तन, अंधाधुंध विकास और पर्वतीय पारिस्थितिकी के संतुलन में हस्तक्षेप, ये सभी कारण बादल फटने की घटनाओं को न केवल अधिक आम बना रहे हैं बल्कि और खतरनाक भी। यह पहली बार नहीं, जब पहाड़ों ने इस तरह का कोप देखा हो। सबसे पहले समझें कि बादल फटना आखिर होता क्या है? भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के अनुसार, जब किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र (लगभग 10 वर्ग किलोमीटर) में एक घंटे के भीतर 100 मिलीमीटर या उससे अधिक वर्षा होती है तो इसे बादल फटना कहा जाता है। यह कोई विस्फोट नहीं होता बल्कि सीमित क्षेत्र में अत्यधिक तीव्र गति से हुई वर्षा की घटना होती है। यह इतनी तीव्र होती है कि जल निकासी प्रणाली उसे झेल नहीं पाती और परिणामस्वरूप भयंकर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह घटना आमतौर पर समुद्र तल से 1000 से 2500 मीटर की ऊंचाई वाले इलाकों में देखने को मिलती है।

बादल फटना: आसमानी कहर मानवजनित संकट



क्युमुलोनिम्बस नामक भारी और घने वर्षणकारी बादल, जो भारी वर्षा और बिजली गिरने के लिए जिम्मेदार होते हैं, बादल फटने का प्रमुख कारण होते हैं। गर्म हवा जब जमीन से ऊपर उठती है और बादलों में जाकर नमी को ऊपर ले जाती है, तब वह बारिश की बूंदों के रूप में वहां जमा होती जाती है। यदि ऊपर की ओर जाने वाली गर्म हवा अचानक कमजोर हो जाती है तो बादलों में संचित भारी नमी एक ही बार में बहुत तीव्र गति से नीचे गिरती है। इस प्रक्रिया को %लैंगमुइर प्रेसिपिटेशन प्रोसेस% कहा जाता है। भारत में बादल फटने की घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत मामले हिमालयी क्षेत्र अथवा उसके आसपास के राज्यों (जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और पूर्वोत्तर के पहाड़ी इलाकों) में देखने को मिलते हैं। प्रश्न यह है कि हिमालय जैसे क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में ये घटनाएं अधिक क्यों होती हैं? इसका कारण है स्थलाकृतिक उद्वेगन औरोग्राफिक लिफ्टिंग। जब नम हवाएं पहाड़ों से टकराती हैं तो उन्हें ऊपर उठना पड़ता है। ऊंचाई बढ़ने के साथ तापमान गिरता है, जिससे हवा में मौजूद नमी संघनित होकर भारी वर्षा का कारण बनती है। जब यह संघनन असामान्य तीव्रता प्राप्त कर लेता है, तब बादल फटने जैसी स्थिति उत्पन्न होती है।

इसके अलावा, हिमालयी क्षेत्र में मौसम की अस्थिरता, तापमान और हवा की दिशा में तेजी से बदलाव, मानसूनी हवाओं के अचानक टकराव जैसी स्थितियां बादल फटने की संभावनाओं को और भी बढ़ा देती हैं। हिमालयी क्षेत्र में तापमान, वायुदाब और हवाओं की दिशा में तेज बदलाव बादलों को अस्थिर कर देता है। इसके अलावा जब बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली मानसूनी हवाएं टकराती हैं तो यह बहुत अधिक नमी लेकर आती हैं, जो पहाड़ों से टकराकर भारी बारिश या बादल फटने का कारण बनती हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में बादल फटने की घटनाओं की संख्या और तीव्रता में वृद्धि देखी गई है। 2023 में अमरनाथ गुफा के पास अचानक हुई बादल फटने की घटना में 16 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और दर्जनों लापता हो गए थे। 2022 में धर्मशाला में इसी प्रकार की घटना से भूस्खलन और घरों को व्यापक क्षति पहुंची थी। 2021 में उत्तराखंड के चमोली में रंलेशियर टूटने के साथ बादल फटने की घटना ने 70 से अधिक लोगों की जान ली। 2013 की केदारनाथ त्रासदी तो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, जिसमें 5000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इन सभी घटनाओं का एक साझा पहलू है मानवजनित गतिविधियों का दखल। पहाड़ी इलाकों

में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, अनियंत्रित निर्माण कार्य, जंगलों की कटाई, अवैज्ञानिक तरीके से सड़क और सुरंगों का निर्माण, नदी-नालों के प्राकृतिक प्रवाह में अतिक्रमण जैसी गतिविधियां इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। जलवायु परिवर्तन ने इसमें आग में घी का काम किया है। मौसम में असामान्य बदलाव, अत्यधिक वर्षा के पैटर्न का बदलना और ग्लेशियरों का पिघलना इस आपदा की तीव्रता और आवृत्ति को लगातार बढ़ रहा है। बादल फटना अपने साथ भीषण तबाही लाता है। जब अत्यधिक मात्रा में पानी एक साथ गिरता है तो नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है, जिससे फ्लैश फ्लड यानी तात्कालिक बाढ़ आ जाती है। पानी के साथ बहते मलबे, पत्थरों और पेड़ों के कारण भूस्खलन और संरचनात्मक क्षति होती है, सड़कें, पुल, भवन, संचार व्यवस्था और बिजली जैसे संसाधन पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं। वन संपदा की दृष्टि से भी बादल फटने की घटनाएं अत्यंत विनाशकारी हैं। कुल्लू की घटना में जिस प्रकार रई और देवदार जैसे सैंकड़ों पेड़ बह गए, उससे न केवल जैव विविधता को भारी नुकसान हुआ बल्कि भू-क्षरण और भूस्खलन की संभावना भी कई गुना बढ़ गई। (स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार)

भारत में चिकित्सा शिक्षा भविष्य के डॉक्टरों और प्रतिभाओं का मूल्य निर्धारण कैसे कर रही है

विजय गर्ग

भारत में डॉक्टर बनने की लागत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है। कई लोगों के लिए, वित्तीय बोझ प्रवेश परीक्षा की तैयारी के वर्षों के साथ शुरू होता है, मंहंगी चिकित्सा डिग्री के माध्यम से जारी है, और अक्सर ऋण या परिवार के बलिदान की आवश्यकता होती है। बढते खर्च अब आकार दे रहे हैं जो मेडिकल करियर को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं और जो पीछे रह गए हैं। हम डॉक्टरों के साथ देश में डॉक्टर बनने की लागत जानने के लिए बोलते हैं, एक सपना जो कई बच्चों के रूप में है। चिकित्सा शिक्षा का वित्तीय बोझ कितनी जल्दी शुरू होता है? डॉक्टरों के अनुसार, यह सिर्फ एमबीबीएस की फीस नहीं है क्योंकि यात्रा बहुत पहले शुरू होती है और लागत तेजी से बढ़े हो जाती है। विजय गर्ग ने बताया कि ज्यादातर मेडिकल एस्पिरेंट्स नीट कोचिंग पर कक्षा 9 या 11 की शुरुआत में बड़ा खर्च करना शुरू कर देते हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश करने से पहले यह चार से पांच साल का



गहन निजी ट्यूशन है। सरकारी एमबीबीएस कॉलेज: 5 से: 10 लाख निजी मेडिकल कॉलेज: 20 लाख से 1 करोड़ स्नातकोत्तर विशेषज्ञता: कई और लाख जोड़ता है। इसमें

कोचिंग, प्रवेश परीक्षा की लागत, रहने का खर्च और एक दशक लंबी प्रतिबद्धता जोड़ें, और आप एक ऐसे कैरियर को देख रहे हैं जो कई लोगों के लिए आर्थिक रूप से पहुंच से बाहर महसूस कर

सकता है। क्या कुछ छात्र लागत के कारण अपने सपनों को छोड़ देते हैं? मैंने देखा है कि प्रतिभाशाली छात्र सिर्फ इसीलिए दवा छोड़ देते हैं क्योंकि उनके माता-पिता फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं परिवार भारत में मेडिकल डिग्री कैसे देते हैं? विजय गर्ग के अनुसार, यह केवल ऋण, बलिदान और ऊधम के बारे में है। अंकुश गर्ग और उनके साथियों जैसे कई युवा डॉक्टरों ने शिक्षा ऋण लिया, अक्सर उच्च ब्याज दरों पर। कुछ माता-पिता ने एक बच्चे के सपने को जीवित रखने के लिए संपत्ति बेची, भारी उधार ली, या परिवार के खर्चों को घटा दिया। अन्य लोगों ने ऋण किराओं को चुकाने के लिए अध्ययन करते हुए अस्पतालों में अस्थकालिक काम किया। स्नातक होने के बाद दबाव नहीं रुकता है, यह अक्सर उनके करियर के बाकी हिस्सों को आकार देता है। क्या कम संपन्न छात्रों को चिकित्सा शिक्षा से बाहर रखा जा रहा है? डॉ अंकुश गर्ग ने कहा कि आज की मेडिकल क्लासरूम तेजी से संपन्न परिवारों के छात्रों से

भरे हुए हैं।इससे पहले, समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व किया गया था। अब, मैं कई छात्रों को आर्थिक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हुए देखता हूँ, उन्होंने देखा। उन्होंने चेतावनी दी कि कम आय वाले परिवारों के छात्र अक्सर फीस और मेट्रो शहरों में रहने की लागत दोनों के साथ संघर्ष करते हैं जहां अतिदानी मेडिकल कॉलेज आधारित होते हैं। उन्होंने कहा, यह वित्तीय बाधा चुपचाप संकुचित हो रही है जो सफेद कोट पहनने के लिए मिलता है। क्या अब ब्याज पर आय के लिए विशेषज्ञता चुनी गई है? अफसोस की बात है, हाँ। विजय गर्ग ने बताया कि वित्तीय बोझ युवा डॉक्टरों को उच्च भुगतान वाली विशेषज्ञता को और धकेलता है, जरूरी नहीं कि उनका जुनून हो। सामुदायिक चिकित्सा, ग्रामीण सेवा, पारिवारिक स्वास्थ्य, और ऐसी अन्य सेवाएं अक्सर दरकिनारा हो जाती हैं क्योंकि वे मोटी शिक्षा ऋण को कवर करने के लिए पर्याप्त भुगतान नहीं करते हैं। डॉ. अंकुश गर्ग सहमत हुए। उन्होंने कहा कि कई डॉक्टर मेट्रो शहरों में निजी अस्पतालों की ओर

बढ़ते हैं, खासकर डीएम (डॉक्टरों ऑफ मेडिसिन) और एमसीएच (मास्टर ऑफ चिरुर्गिया) जैसी सुपर-विशेषज्ञता हासिल करने के बाद, क्योंकि यही पैसा है। छोटे शहर और ग्रामीण क्षेत्र कम रहते हैं। क्या वर्तमान वित्तीय सहायता चिकित्सा उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त है? दोनों डॉक्टरों ने कहा: वास्तव में नहीं।जबकि छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण मौजूद हैं, वे अक्सर ब्याज दरों और कटौत पुनर्भुगतान समयसीमा को पूरा करने या आने के लिए कठिन होते हैं। गर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि कम ब्याज या ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण महत्वपूर्ण हैं, खासकर कम सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए।दोनों डॉक्टरों ने जोर देकर कहा कि नीतिगत सुधारों के बिना, उच्चल छात्रों को पेशे से बाहर रखा जा सकता है, और भारत अपनी आगामी पीढ़ी के कुशल, भावुक डॉक्टरों को खोने का जोखिम उठाता है। (विजय गर्ग सेवाविभूत प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

संक्षिप्त समाचार

बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठकवारुण प्रखंड के पौथू पंचायत तथा काजीचक पंचायत के चिरैला ग्राम में आयोजित की गई- बीरेंद्र कुमार सिंह



रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के बारुण प्रखंड अंतर्गत पौथू पंचायत तथा काजीचक पंचायत के चिरैला ग्राम में बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता पौथू पंचायत के अध्यक्ष बिरला झा एवं काजीचक पंचायत में उषेंद्र कुमार यादव ने किया। बैठक का संचालन बारुण प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष उषेंद्र कुमार ने किया। वर्चुअल बैठक में प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार एवं मुख्यालय प्रभारी परमहंस सिंह उपस्थित थे। वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की जिस पंचायत के बैठक में कमेटी की सभी सदस्य शामिल नहीं हो तो पंचायत अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष उनके घर जाकर हाल-चाल ले की बैठक में क्यों नहीं आए। बैठक को संबोधित करते हुए औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक ने कहा बिहार में डबल इंजन की सरकार है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का पूरा सहयोग राज्य को मिल रहा है। 2024 में केंद्र को एनडीए सरकार ने 60000 करोड़ से अधिक का विशेष पैकेज देखकर बिहार के विकास को और गति दी। नबीनगर विधानसभा के प्रभारी प्रोफेसर अरुण कुमार ने कहा वर्ष 2005-2006 में नई सरकार बनने के समय राज्य का बजट मात्र 28000 करोड़ रु ही था जो आज बढ़ते बढ़ते तीन लाख 16000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।मौके पर जनता दल यूनाइटेड के जिला उपाध्यक्ष सह बिस सुजरी सदस्य सुरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व राज्य परिषद सदस्य अनिल कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष विभूति नारायण, जिला महासचिव उदय पटेल, जिला महासचिव रनजीत सिंह, जिला सचिव मुकेश पटेल, पूर्व मुखिया संजीव द्विवेदी, प्रोफेसर रमेश चंद्र पाठक, विजय राजवंशी, उमेश सिंह अशोक सिंह, भगवान मेहता इत्यादि उपस्थित थे।

बेलागंज में प्रधानमंत्री मोदी की कार्यक्रम को लेकर ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के सचिव महेश शर्मा की मांग अपेक्षित



गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के राष्ट्रीय महासचिव महेश शर्मा का कहना है कि जैसा कि सरकारी सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि देश के लोकप्रिय यशस्वी विकास पुरुष प्रधानमंत्री जी गया जिले के बेलागंज प्रखंड में ग्राम पाली के कृषि फार्म में सभा करने आ रहे हैं। तो इस अवसर पर बेलागंज का हक बनता है कि माननीय प्रधानमंत्री जी बेलागंज के जनहित में कुछ विकास योजना की स्वीकृति दें। बेलागंज का चिरपरिचित मांग बीथो विवर बांध एवम सहायक पैन के जीर्णोद्धार के आधार शिला रखें। बेलागंज के सोनपुर (सोनितापुर) को ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु शिलान्यास करें। बेलागंज के काली मंदिर को द्वारपरगुा का मंदिर है इस कारण इस मंदिर के विकास के लिए प्रयास हो, साथ ही बेलागंज के महत्व को देखते हुए चुकी बाबा भोलेश्वर के एतिहासिक मंदिर सिद्धनाथ मंदिर जिसकी चर्चा पुराणों में हो बाबा विश्वनाथ के तर्ज पर कारिडोर बनाकर पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने हेतु आधारशिला रखने की निवेदन बेला के जनता की प्रधानमंत्री से है। साथ ही बेलागंज स्टेशन पर सभी एक्सप्रेस ट्रेन की ठहराव की घोषणा मंच से करने की कृपा करेंगे जो जनता के लिए सुविधा पूर्ण होगा। बेलागंज के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए मेन कोटेश्वर धाम का विकास पर्यटन स्थल के रूप में हो, वहीं कोरमथु स्थित बाबा दिवरा स्थान का विकास पर्यटन स्थल के रूप में हो जिस स्थल पर माननीय प्रधानमंत्री जी सभा को संबोधित करेंगे, उस जगह पर पच्चीस एकड़ जमीन बिहार सरकार के कृषि भूमि है। और यह जमीन लगभग बंजर रहता है तो उस जमीन पर कृषि अभिवर्धन विद्यालय या कृषि रिसर्च सेंटर जैसी बीज /खाद/कीटनाशक दवाओं पर रिसर्च हो जिससे मगध साम्राज्य के सभी लोगों को लाभ हो चुकी यह स्थल एनएच और रेलवे स्टेशन से जुड़ा हुआ है,जिसकी घोषणा किया जाय। बेलागंज में लड़कियों को पढ़ने के लिए कोई महाविद्यालय नहीं है चुकी बिहार में एनडीए की सरकार है तो एक कन्या महाविद्यालय खोलने हेतु घोषणा किया जाए। बेलागंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को रेफरल अस्पताल का दर्जा देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी एवम प्रधानमंत्री जी के द्वारा घोषणा हो। गया जी अवस्थित केन्द्रीय विद्यालय का नामाकरण महा-राजा गोपाल शरण सिंह के नाम से हो ऐसी घोषणा हो ताकि उन्हें सम्मान मिल सके। गया जी इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी शत्रुघ्न शरण सिंह के नाम से हो। गया जी सेंट्रल जेल का नामकरण सोनाई चैकुंड शुक्ल के नाम से हो ऐसी घोषणा हो। महेश शर्मा ने बताया कि मंच पर भारत सरकार और बिहार सरकार दोनों के मंत्री रहेंगे इसलिये यह जनहित में मांग उठा रहा हूँ। आशा है एक कार्यकर्ता की आवाज को सम्मान देना चाहेंगे, और यह मांग जनहित में है, साथ ही मुझे चुनाव भी नहीं लड़ना है,ताकि लोग यह नहीं समझे कि चुनाव दृष्टिकोण से मांग उठाया गया है। उन्होंने बताया कि निवामतपुर आश्रम जो स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र बिंदु रहा और महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित यदुनंदन शर्मा जी के कर्म भूमि रहा है,इस जगह का विकास कर भारत के मार्गचत्र पर लाने की जरूरत को अमलीजामा पहनाया जाय। यही उस महापुरुष के प्रति सच्चा श्रद्धांजलि होगी।

हिंदी वाक प्रतियोगिताओं का आयोजन

हाजीपुर

पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में 01, 03, एवं 04 जुलाई 2025 को तीन दिवसीय क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसी क्रम में आज दि.04.07.25 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी वाक प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ. प्रतिभागियों को ह्रस्वभाषण- स्वाभिमान का प्रतीक व बदलती विश्व व्यवस्था में भारत में से किन्ही एक विषय पर बोलना था. हिंदी वाक प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री जे. पी. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (राजपत्रित) थे. इसमें सुश्री सुचित्रा, कार्याधी, कार्मिक विभाग/हाजीपुर को प्रथम, श्री जूही बाला कर्ण, कनि. लेखा सहायक, लेखा विभाग/हाजीपुर को द्वितीय व श्री विपिन बिहारी पंडित, वरि. टेक्नीशियन, सडिमका/हरनौत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. इन सभी प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों/मंडलों/कारखानों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बड़-चढ़



कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की. उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय सहित 03 प्रेरणा पुरस्कार है. इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी रेलवे बोर्ड स्तर पर पूर्व मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेंगे. उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता के लिए पूर्व मध्य रेल के सभी विभागों/मंडलों/कारखानों को पूर्व में ही सूचित किया गया था. दि.

01.07.2025 को इस प्रतियोगिता का शुभारंभ हिंदी निबंध प्रतियोगिता के साथ हुआ था. निबंध हेतु 02 विषय पूर्व में ही निर्धारित किए गए थे (1) राजभाषा की गौरवशाली यात्रा-उपलब्धियाँ और भविष्य की दिशा (2) अमृतकाल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की परस्पर सहभागिता. प्रतिभागियों को किन्हीं एक विषय का चयन कर अधिकतम 2000 शब्दों में निबंध लिखना था.

जदयू जिला कार्यालय में जूम मीटिंग आयोजित की गई

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर हुई महान चर्चा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जदयू जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण वर्चुअल जूम मीटिंग का आयोजन किया गया,जिसका उद्देश्य आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर रणनीति तय करना था। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश कुशवाहा ने किया। बैठक के दौरान बी.एल.ओ. लेवल-2 की भूमिका, जिम्मेदारियाँ और क्षेत्रीय समन्वय पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है, और इसमें कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री उमेश कुशवाहा ने कहा, लोकतंत्र को सशक्त एवं भागीदारीपूर्ण बनाने के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कोई भी योग्य मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना आवश्यक है। इस बैठक में जदयू के अनेक



वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से पूर्व विधायक, रफीगंज एवं जदयू जिला अध्यक्ष: श्री अशोक कुमार सिंह, तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष: श्री शशिकांत कुमार, मीडिया सेल जिला अध्यक्ष श्रीमती निशा सिंह,बिंदा चंद्रवंशी, अमरेश चौधरी,आनंद कुमार रजक, रिकू सिंह, पूनम कुशवाहा,रितेश कुमार सिंह,विनोद कुमार सिंह,ओम प्रकाश कुमा,सैयद मुजफ्फर इकबाल

कादरी,कमलेश कुमार सिंह,धर्मेन्द्र कुमार वर्मा,गौतम कुशवाहा मंगल चंद्रवंशी,उदय कुमार सिंह,संतोष कुमार, हरेंद्र कुमार,प्रभाकर सिंह,बंधन कुमार सहित कई सक्रिय कार्यकर्ता। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे मतदाता सूची अद्यतन कार्य में पूर्ण निष्ठा और समर्पण से भाग लेंगे तथा समाज के हर नागरिक को मतदान के लिए जागरूक करेंगे।

जनेश्वर विकास केंद्र एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा देव ग्राम चैनपुर में मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जनेश्वर विकास केंद्र एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा देव ग्राम चैनपुर में मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बासमती सेवा केंद्र के अध्यक्ष उमेश चंद्र सिंह की। बैठक को संचालन करते हुए संस्था के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि 10 जुलाई को लोक गायन के क्षेत्र में भारत को एक नई पहचान देने वाले बिहार के मिट्टी के लाल भिखारी ठाकुर की जयंती मनाई जाएगी एवं 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव आयोजित होगी जो कि कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तय की गई है। कार्यक्रम को प्रथम शरूआत भिखारी लाल ठाकुर की जयंती पर 10 जुलाई को शुरू होगी उद्घाटन सत्र दिन 1:00 बजे से रखा गया है जिसमें कई बड़े नामचीन्ह हस्तियां एवं प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी, 1:30 बजे से समकालीन युग में भिखारी ठाकुर की लोक गायन की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी सभा आयोजित होगी। 3:30 से भिखारी ठाकुर आधारित गीत एवं एकांकी की प्रतियोगिता आयोजित होगी। 6:00 बजे से भिखारी ठाकुर की पारंपरिक गीतों आधारित जिले के नामचिन्ह कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होगा। 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव आयोजित होगी जो कि कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तय की गई है। कार्यक्रम की प्रथम शुरुआत भिखारी लाल ठाकुर की जयंती पर 10 जुलाई को शुरू होगी उद्घाटन सत्र दिन 1:00 बजे से रखा गया है जिसमें कई बड़े नामचीन्ह हस्तियां एवं प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर

वाले संतानों बहू को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित तथा जिले में आयोजित सभी महोत्सव की सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। दिन 2:00 बजे से छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता में पुनः पु-स्कार वितरण किया जाएगा। संध्या 6:00 बजे से जिले के नामचिन कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा को बताते हुए उन्होंने आगे बताया कि मातृ पितृ वंदन कार्यक्रम लगभग कई वर्षों से आयोजित होते आ रहा है इस बार इस कार्यक्रम का बेहद महान पर महोत्सव के जनेश्वर विकास केंद्र एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा देव ग्राम चैनपुर में मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बासमती सेवा केंद्र के अध्यक्ष उमेश चंद्र सिंह की। बैठक को संचालन करते हुए संस्था के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि 10 जुलाई को लोक गायन के क्षेत्र में भारत को एक नई पहचान देने वाले बिहार के मिट्टी के लाल भिखारी ठाकुर की जयंती मनाई जाएगी एवं 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव आयोजित होगी जो कि कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तय की गई है। कार्यक्रम की प्रथम शुरुआत भिखारी लाल ठाकुर की जयंती पर 10 जुलाई को शुरू होगी उद्घाटन सत्र दिन 1:00 बजे से रखा गया है जिसमें कई बड़े नामचीन्ह हस्तियां एवं प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर



कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी, 1:30 बजे से समकालीन युग में भिखारी ठाकुर की लोक गायन की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी सभा आयोजित होगी। 3:30 से भिखारी ठाकुर आधारित गीत एवं एकांकी की प्रतियोगिता आयोजित होगी। 6:00 बजे से भिखारी ठाकुर की पारंपरिक गीतों आधारित जिले के नामचिन्ह कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होगा। 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव की उद्घाटन सत्र दिन 11:00 बजे से किया जाएगा, 1:00 से माता-पिता एवं सास ससुर को भक्ति भाव से सेवा करने वाले संतानों बहू को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित तथा जिले में आयोजित सभी महोत्सव की सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। दिन 2:00 बजे से छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता में पुनः पुरस्कार

जिसमें मुख्यालय के विभिन्न विभागों/मंडलों आदि के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया. दि. 03.07.2025 को हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों से अनुवाद, प्रारूप लेखन, अंग्रेजी से हिंदी व हिंदी से अंग्रेजी शब्दों का रूपांतरण तथा वर्तनी शुद्धी संबंधी प्रश्न पूछे गए. राजभाषा विभाग पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर की ओर से राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जाता है. इससे रेल कर्मियों के बीच हिंदी में कार्य करने की प्रवृति बढ़ती है. आज के प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों/कारखानों सहित मुख्यालय के कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ श्री संतोष कुमार गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी सह उप विसमुनिधि (सामान्य) ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया.

बंदेया हत्या कांड में दो गिरफ्तार, एक आरोपी मृतक की पत्नी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

बंदेया (औरंगाबाद) बंदेया थाना क्षेत्र के एक सनसनीखेज हत्या मामले में विठु कुमार उर्फ मुकेश कुमार की हत्या कर दी गई थी। मृतक की मां सबिता कुंवर ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ जब मृतक की पत्नी पूजा देवी की ही हत्या में संलिप्त पाया गया और पुलिस ने उसे पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब इस मामले में मुख्य अभियुक्त रफीगंज थानाक्षेत्र के कर्मा मसूद गांव निवासी कमलेश यादव को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार कमलेश यादव पर पहले भी रफीगंज थाना में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सूरज कुमार, मोहित कुमार और सशस्त्र बल की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस तत्परता से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश गया है। गौरतलब हो की



पिछले सप्ताह झिकटियां नहर के समीप एक युवक का शव पुलिस के द्वारा बरामद किया गया था मृतक की मां सबिता कुमारी ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसका बंदेया थाना कांड संख्या 65/25 था जांच के क्रम में पुलिस को तकनीकी और भौतिक साक्ष्य के आधार पर पता चला कि हत्या में मृतक की पत्नी पूजा देवी की संलिप्तता है। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

नीतीश सरकार ने 94 लाख अत्यंत गरीब परिवार को रोजगार के लिए लघु उद्यमी योजना के तहत दो लाख रुपए दिया जा रहा है - बीरेंद्र कुमार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के नवीनगर प्रखंड अंतर्गत सोनोरा पंचायत के चरन बाजार एवं राजपुर पंचायत के जयपुर ग्राम में बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।दोनों पंचायत के बूथ अध्यक्ष एवं बूथ कमेटी की बैठक पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह एवं शारदा सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन प्रखंड अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने किया। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठक में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, प्रदेश जदयू कोषाध्यक्ष ललन श-राफ, मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार सिंह, मुख्यालय प्रभारी परमहंस सिंह,शामिल थे। वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा बूथ कमेटी के प्रत्येक सदस्य 25 -25 घर जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों को बताये और जनता के सुख दुख में शामिल हो। बैठक को संबोधित करते हुए औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व कृषि एवं किसानों का बुरा हाल था किसानों को समर्थानुसार ना बीज मिलता था और ना ही खाद



मिलता था, नाही खेतों में सिंचाई के लिए बिजली की कोई व्यवस्था थी। बिहार सरकार 2008 से कृषि रोड मैप बनाकर 2008 से 2012 तक पहला, वर्ष 2012 से 2017 तक दूसरा 2017 से मार्च 2023 तक तीसरा कृषिप्रधान रोड मैप तथा वर्तमान में चौथा कृषि रोड मैप जारी है। कृषि रोड मैप के क्रियान्वयन से फसलों, सब्जी, फल, दूध,अंडा ,मांस एवं मछली के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। बैठक को संबोधित करते हुए नबीनगर विधानसभा के संगठन प्रभारी अरुण कुमार शर्मा ने कहा सरकार ने जाती आधारित गणना कराई जिसमें लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी ली गई। 94 लाख अत्यंत गरीब परिवार

को रोजगार के लिए लघु उद्यमी योजना के तहत 200000 की दर से सहायता देने की शुरुआत हो चुकी है। इस बैठक में जदयू के जिला उपाध्यक्ष सह 20 सूत्री सदस्य सुरेंद्र कुमार सिंह, पंचायत अध्यक्ष सोनोरा अनिल कुमार सिंह, पंचायत अध्यक्ष राजपुर शारदा सिंह,पूर्व विधायक प्रतिनिधि रामेश्वर सिंह, सुनील कुमार सिंह, नंदू सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, महेश सिंह, प्रमोद सिंह, प्रखंड महासचिव संतोष कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, मुखिया विधानसभा के संगठन प्रभारी अरुण प्रतिनिधि काली सिंह, विनय सिंह, मुन्ना सिंह, जयराम सिंह, रणजीत सिंह,धर्मेन्द्र सिंह, शिवपूजन सिंह, कृष्णा सावर,रविंद्र सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

विभाग से मांग रखते हुए कहा कि यदि बिहार सरकार पर्यटन विभाग इस महोत्सव को राजकीय दर्जा देती है तो निश्चित रूप में मातृ पितृ वंदन महोत्सव यह एक औरंगाबाद जिला का नहीं प्रदेश स्तर का कार्यक्रम हो जाएगा और इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में नई जागृति लाई जा सकेगी, आज के युवा पीढ़ी अपने मूल्य सभ्यता के संस्कारों से वंचित हो गए हैं, जहां माता-पिता को भगवान से भी बढ़कर ऊपर का दर्जा दिया गया है आज के प्रदेश में माता-पिता को पुत्र के रहते हुए वृद्ध आश्रम की ओर रुख पड़ रहा है पूरी समाज के लिए चिंताजनक विषय है यदि आज हम सभी चिंतित नहीं हुईं तो आने वाला समय भयावक रूप हो सकता है इसलिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजनों से अपने बच्चों को उनके संस्कारों से जोड़ सकते हैं और माता-पिता की सेवा के प्रति भावनाओं के प्रति प्रेरित कर सकते हैं, हमारी संस्था हर वर्ष वैसे पुत्र,बहु,बिटिया, दामाद जैसे रत्न का खोज करती है की जो निस्वार्थ भाव तरीके से आज के समय में भी भी माता-पिता सास ससुर को भी सेवा भाव से जुड़कर उनकी सेवा कर रहे हैं वैसे लोगों को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित करते हैं।

महोत्सव को राजकीय दर्जा देती है तो निश्चित रूप में मातृ पितृ वंदन महोत्सव यह एक औरंगाबाद जिला का नहीं प्रदेश स्तर का कार्यक्रम हो जाएगा और इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में नई जागृति लाई जा सकेगी, आज के युवा पीढ़ी अपने मूल्य सभ्यता के संस्कारों से वंचित हो गए हैं, जहां माता-पिता को भगवान से भी बढ़कर ऊपर का दर्जा दिया गया है आज के प्रदेश में माता-पिता को पुत्र के रहते हुए वृद्ध आश्रम की ओर रुख पड़ रहा है पूरी समाज के लिए चिंताजनक विषय है यदि आज हम सभी चिंतित नहीं हुईं तो आने वाला समय भयावक रूप हो सकता है इसलिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजनों से अपने बच्चों को उनके संस्कारों से जोड़ सकते हैं और माता-पिता की सेवा के प्रति भावनाओं के प्रति प्रेरित कर सकते हैं, हमारी संस्था हर वर्ष वैसे पुत्र,बहु,बिटिया, दामाद जैसे रत्न का खोज करती है की जो निस्वार्थ भाव तरीके से आज के समय में भी भी माता-पिता सास ससुर को भी सेवा भाव से जुड़कर उनकी सेवा कर रहे हैं वैसे लोगों को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित करते हैं।

विभाग से मांग रखते हुए कहा कि यदि बिहार सरकार पर्यटन विभाग इस महोत्सव को राजकीय दर्जा देती है तो निश्चित रूप में मातृ पितृ वंदन महोत्सव यह एक औरंगाबाद जिला का नहीं प्रदेश स्तर का कार्यक्रम हो जाएगा और इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में नई जागृति लाई जा सकेगी, आज के युवा पीढ़ी अपने मूल्य सभ्यता के संस्कारों से वंचित हो गए हैं, जहां माता-पिता को भगवान से भी बढ़कर ऊपर का दर्जा दिया गया है आज के प्रदेश में माता-पिता को पुत्र के रहते हुए वृद्ध आश्रम की ओर रुख पड़ रहा है पूरी समाज के लिए चिंताजनक विषय है यदि आज हम सभी चिंतित नहीं हुईं तो आने वाला समय भयावक रूप हो सकता है इसलिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजनों से अपने बच्चों को उनके संस्कारों से जोड़ सकते हैं और माता-पिता की सेवा के प्रति भावनाओं के प्रति प्रेरित कर सकते हैं, हमारी संस्था हर वर्ष वैसे पुत्र,बहु,बिटिया, दामाद जैसे रत्न का खोज करती है की जो निस्वार्थ भाव तरीके से आज के समय में भी भी माता-पिता सास ससुर को भी सेवा भाव से जुड़कर उनकी सेवा कर रहे हैं वैसे लोगों को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी को मताधिकार से वंचित करने की चुनाव आयोग कर रहे हैं साजिश - सपा

मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में सड़क पर उतरेगे हम सपाईं - पप्पू



जमालपुर।

सूचे में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 अभियान को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से जिला मुख्यालय स्थित पार्टी की अस्थायी कार्यालय बेलन बाजार में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने किया। बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 पर कड़ा प्रतिकार जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की गई। पप्पू यादव ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण का यह अभियान समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मताधिकार से वंचित करने की भाजपा जदयू और चुनाव आयोग का तानाशाही षड्यंत्र है जो बिहार चुनाव के पूर्व 20 से 30 प्रतिशत मतदाता को मतदान सूची से बाहर निकालने की तैयारी कर रही है, जिसके विरोध में आम जनता समय रहते अगर सड़क पर नहीं उतरती है तो उसे उसके इस वास्तविक और लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित कर दिया जाएगा। लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविशंकर झा, महासचिव मिथलेश यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान के बहाने बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से दलितों, शोषितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों को मताधिकार के मौलिक अधिकार के हनन की साजिश कर रही है। जिसका हम सपाईं जमकर विरोध करेंगे। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में सपाईं ने आन्दोलन के निर्णय के तहत रविवार से सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। मौके पर मुंगेर नगर अध्यक्ष मो आजम, जमालपुर नगर अध्यक्ष अमर शक्ति, मीडिया प्रभारी मनोज कर्मा, वरिष्ठ नेता छडपन मंडल, गोपाल वर्मा, सुबोध कुमार शर्मा, मथुरी यादव उपस्थित थे।

मुहरम को लेकर लाइट माईकिंग, पानी का व्यवस्था पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव जी कर रहे हैं शांति,सद्भाव,भाईचारा का एक मिशाल कायम भागलपुर किया है।



दिव्य दिनकर

भागलपुर आज सभी लोहार पर गर्म जोशी के साथ पूजा समिति सभी अधिकारी पदाधिकारी के बीच जनता की जन समस्या को रखते हैं हर साल की भाँति इस साल भी मोहरम को लेकर पूजा समिति की पूरी टीम अपने-अपने क्षेत्र में, कार्य कर रहे हैं। जो ही विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा 16 साल से मोहरम के जुलूस में लाइट की व्यवस्था माइक की व्यवस्था पानी की कुर्सी टेबल की व्यवस्था व सफल बनाने के लिए रात भर पूजा समिति की टीम लगी रहती है। मोहरम कमेटी के द्वारा खलीफा को सम्मानित किया जाता है। मोहरम जुलूस को शांति, सद्भाव भाईचारा से निकलने में अहम रोल रहता है। इस बार 6 तारीख को मुहरम मनाया जाएगा और जुलूस निकाला जाएगा। कैप में जिला प्रशासन हो या एसडीओ हो डीएसपी हो नाथनगर का बीड-ओ वही सभी थाना अध्यक्ष के साथ साथ सभी लोग उपस्थित रहते हैं। मौके पर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव, देवाशीष बनर्जी, भावेश यादव, अशोक राय, निर्जित अंसारी, प्रवीण यादव, रोहित यादव, चंदन मिश्रा, राजेंद्र लाल, संतोष कुमार, शिव शंकर सिंह, विवेक यादव, शंकर यादव, मास्टर विक्रम यादव, अभिनंदन यादव, लक्ष्मी यादव, उषेंद्र साह, अशोक साहू, आकाश यादव, जितेंद्र यादव, संतोष मिश्रा, शंकर चौधरी, दिलीप मालाकार, राजू मालाकार, पंकु कुमार सभी लोग रात भर लगे रहेंगे भागलपुर गंगा जमुना लर्जिंश के लिए जाना जाता है।

गोह मे डायग्नोस्टिक सेंटर' की दूसरी शाखा का उद्घाटन

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सराहनीय पहल- मनोज शर्मा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) गोह के सक्रिय समाजसेवी मृत्युंजय उपाध्याय द्वारा स्वास्थ्य सेवा को ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचाने के उद्देश्य से रफीगंज रोड स्थित अपने निजी भवन में 'डायग्नोस्टिक सेंटर' की दूसरी शाखा का भव्य शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन भाजपा प्रदेश प्रस्ता सहा पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा की > ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आज की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। मृत्युंजय उपाध्याय जी ने यह पहल कर न सिर्फ क्षेत्र को एक नई सुविधा दी है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का भी कार्य किया है। यह सेंटर आम लोगों को समय पर जांच और इलाज का साधन देगा, जिससे बड़ी बीमारियों से समय रहते निपटा जा सकेगा। मैं इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हें बधाई देता हूँ। इस कार्यक्रम में दीपक उपाध्याय, सुनील शर्मा, उमेश पासवान, राजीव विद्यार्थी, भोला यादव, धीरज सिंह चौहान, मोनू उपाध्याय, संजय सिंह, विष्णु तिवारी, उषेंद्र उपाध्याय, राम प्रयोजन उपाध्याय, सोनल मिश्रा, क्रांति सूर्या, बबलू सिंह, चुन्नु सिंह, सुरेंद्र शर्मा, संतेंद्र शर्मा, बबन उपाध्याय, शेखर उपाध्याय, मोहरलाल मिश्रा, रामप्रवेश मिश्रा, सुनील उपाध्याय, दिलीप त्रिवेदी सहित, कार्यक्रम में दर्जनों स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस डायग्नोस्टिक सेंटर को क्षेत्र की जरूरत बताया और इसके शुरू होने पर मृत्युंजय उपाध्याय के प्रयास की सराहना की।



जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी सह जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं की प्रवृत्ति, उनके कारणों, तथा रोकथाम हेतु उठाए जा सकने वाले ठोस एवं प्रभावी उपायों पर गंभीरतापूर्वक विमर्श किया गया। बैठक के आरंभ में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले में विगत महीनों में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार जून 2025 तक जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 206 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 118 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने इसे अत्यंत ही गंभीर और चिंताजनक बताया तथा संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा को लेकर विभागीय समन्वय और कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। जिला पदाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने हेतु सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थलों पर आवश्यक संरचनात्मक सुधार जैसे- साईनेज, चेतावनी बोर्ड, रैबल स्टिप्स एवं स्पीड ब्रेकर इत्यादि की शीघ्र

स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अभियंताओं को दिया। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की रोकथाम हेतु जिले में हेलमेट एवं सीट बेल्ट जाँच अभियान को और अधिक सघन, सुनियोजित तथा परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता जताई। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त निर्देशों के आलोक में औरंगाबाद जिले में लगातार विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक तथा सभी थाना प्रभारी नियमित रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट की जांच कर रहे हैं। नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए शमन शुल्क की वसूली की जा रही है। माह अप्रैल से अबतक 2025 में विभाग द्वारा निर्धारित 1 करोड़ 91 लाख रुपये के राजस्व लक्ष्य के विरुद्ध 3 करोड़ 51 लाख 90 हजार रुपये की राशि वसूली गई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 184.24 प्रतिशत है, जो अभियान की सफलता को दर्शाता है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में संचालित



वाहनों की सघन जांच की जा रही है, जिसके तहत अब तक 48 डिफाल्टर वाहनों पर शमन की कार्रवाई की गई है तथा यह प्रक्रिया सतत रूप से संचालित है ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हिट एंड रन मामलों की

अद्यतन जानकारी साझा करते हुए यह बताया गया कि 1 अप्रैल 2022 से अब तक जिले में इस श्रेणी के अंतर्गत कुल 368 आमदल प्राप्त हुए, जिनमें से 354 मामलों को जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमोदित कर बीमा कंपनी (ज्यम्बु मुबई) को

अग्रसारित किया गया है। इनमें से अब तक 259 लाभुकों के खातों में मुआवजा राशि का भुगतान हो चुका है। वहीं नन हिट एंड रन श्रेणी में जिले से कुल 145 मूल संचिकाओं को ट्रिब्यूनल कोर्ट, गया में भेजा गया है, जिनका निराकरण प्रचलन में

है। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा की दिशा में सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता अभियान, विभागीय समन्वय तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक द्वारा सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सभी अभिलेख जैसे- प्राथमिकी प्रतिलिपि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बीमा कागजात आदि की एक प्रति जिला परिवहन कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि मामलों के निपटारे में विलंब न हो और संबंधित लाभुकों को समय पर सहायता प्राप्त हो सके। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), सिविल सर्जन औरंगाबाद, परिचयना निदेशक एनएचआई सासाराम, एनएच-139 एवं एनएच-120 के प्रतिनिधिगण, जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक सहित अन्य विभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

रक्तसेवक बमेंद्र ने पिता की पुण्यतिथि पर रक्तदान करा दी श्रद्धांजलि

रक्तदान को अपनी जिम्मेदारी बनाएं : बमेंद्र

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

धन कितना भी हो जाए वो आपको जीवित नहीं रख सकता। यदि रखिए आप अमीर हो सकते हैं अमीर नहीं इसलिए सहायता बने किसी भी असहाय जरूरतमंदों की, प्यासे को पानी पिला कर, भटके को रास्ता दिखाकर, भूखे को खाना खिलाकर और जिंदगी मौत से लड़ रहे मरीज को अपने जिस्म से रक्त का कुछ अंश देकर (उक्त बातें औरंगाबाद कुटुंबा प्रखण्ड के चकूआ निवासी रक्त सेवक बमेंद्र कुमार सिंह ने अपने पिता की दसवीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम में कहा। समाजसेवी और पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह के पिता स्व ईंद्रदेव सिंह एक रेल अधिकारी थे और अपने जीवनकाल में हमेशा परिवार, रिश्तेदार एवं जरूरतमंदों की सेवा में लगे रहे। बमेंद्र ने बताया की अपने पिता की प्रेरणा से ही वो समाजसेवा की क्षेत्र से जुड़े और पी-डिजिट मानवता की सेवा के प्रति अपना जीवन समर्पित कर चुके हैं। पत्नी किरण के साथ बमेंद्र ने मरणोपरांत नेत्र, किडनी, लिवर दान करने का संकल्प लिए हैं। रक्त अधिकांश, सदर अस्पताल में



आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन ब्लड बैंक के प्रभारी चिकित्सक डॉ रवि रंजन, पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह, समाजसेविका विजेता पटेल, ब्लड बैंक के रवि कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में डॉ रवि रंजन ने कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में बमेंद्र कुमार सिंह एवं टीम पथ प्रदर्शक का अहम योगदान है। हर अवसर पर इनका प्रयास रहता है जीवनरक्षा के लिए रक्तदान कराने का खास बीमारी की वजह से खुद असमर्थ हैं। रक्तदान करने में परन्तु युवा पीढ़ी को हमेशा रक्तदान के लिए प्रेरित और जागरूक करते हैं। शिविर में विद्या विवेक, संतोष कुमार, रविकांत कुमार, अजय स्वर्णकार, धनंजय कुमार, शाहनवाज आलम, मनोज सोनी, अरुण सिंह सहित कुल दस युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

जिला पदाधिकारी कि अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित किया गया, कई समस्याओं का समाधान भी किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया, इस जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए कुल 13 परिवारियों ने अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। नागरिकों द्वारा भूमि विवाद, सड़क और जल निकासी की समस्या, नाली-गली की स्थिति, बहाली में अनियमितता तथा अतिक्रमण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।



ग्राम भेतनियों निवासी उदित कुमार ने टोला सेवक/शिखा सेवक के चयन में गड़बड़ी की शिकायत की। औरंगाबाद प्रखंड के ग्राम करंजा निवासी सिक्ंदर कुमार ने घरेलू जल निकासी की समस्या को सामने रखा, जबकि वारुण थाना क्षेत्र के सिरिस टोले,

भोपतपुर की श्रीमती रजनी देवी उर्फ राजपति देवी ने पुनपुन नदी के कटाव से अपने घर को हो रहे खतरे की ओर ध्यान आकृष्ट किया। इसके अतिरिक्त अन्य परिवारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं।

जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने सभी परिवारों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिवार को निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके। जनता दरबार की समाप्ति पर जिला पदाधिकारी ने उपस्थित नागरिकों को आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन आमजन के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता दरबार जिले के नागरिकों के लिए एक सशक्त मंच के रूप में स्थापित हो चुका है, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

17 महीने के महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में तेजस्वी यादव की गिनाई उपलब्धियां

महिलाओं तथा बुजुर्गों के बीच चर्चा में राजद नेताओं ने तेजस्वी यादव को बताया युवा आईकॉन

जमालपुर।

राष्ट्रीय जनता दल जमालपुर नगर इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को सदर बाजार इलाके में एक विशेष शिविर लगाकर राजद की नीतियों तथा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के संदेश के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया। शिविर की अध्यक्षता राजद नगर अध्यक्ष बमबम यादव ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के मुंगेर प्रमंडल प्रभारी सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजेश रमण उर्फ राजू यादव मौजूद थे। शिविर में शामिल महिला, बुजुर्ग एवं युवक-युवती मतदाताओं को राजेश रमण ने 17 महीने के महागठबंधन सरकार के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा उपमुख्यमंत्री के रूप में किए गए कार्यों तथा तत्कालीन सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराया। शिविर के दौरान रजब बिहार में तेजस्वी सरकार बनेगी



तबह विषय पर चर्चा करते हुए राजेश रमण ने कहा कि हमारे नेता युवाओं के आईकॉन तेजस्वी प्रसाद यादव जो कहते हैं, वह करते हैं। इनके दिक्कतों में जुमला नाम का चीज नहीं है। यह भाजपा और दूसरे नेताओं के फालतू बात नहीं करते हैं बल्कि सिर्फ मुद्दे की बात करते हैं। वहीं, मुदा

जो लोगों की जरूरत है, खास करके रोजगार देने की बात, उद्योग धंधा लगाने की बात, शिक्षा के क्षेत्र में काम करने की बात करते हैं। सदर बाजार में उपस्थित महिलाओं के बीच राजेश रमण और बमबम यादव ने कहा कि मां बहन मान योजना के तहत माता बहनों को 2500 प्रति माह दिए

जाएंगे। वृद्धजन पेंशन के तहत वृद्ध जनों को हर महीने मिलने वाले ₹400 को बढ़ाकर ₹1500 किया जाएगा। हर घर को हर महीने 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। निराश्रित जन/दिव्यांग जन पेंशन/विधवा पेंशन- निश्चिंतजन/दिव्यांग जन तथा विधवा माता बहनों को हर महीने मिलने वाले 400 से बढ़ाकर ₹1500 दिया जाएगा। प्रदेश में उद्योग धंधे लगाए जाएंगे, पलायन को रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, युवाओं को लाखों लाख नौकरियां दी जाएंगी, पिछड़े जिले व प्रमंडल में विकास आयोग बनाकर समानुपातिक विकास किया जाएगा, बेरोजगार और छात्रों के लिए सुनहरें अवसर प्रदान किए जाएंगे। मौके पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के बरकत कुरैशी, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राकेश चौधरी, मंतोष कुमार, राम मंडल उर्फ गुड्डू के सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

वाई वाई छा रहा जनसुराज , प्रोफेसर देवज्योति मुखर्जी

दिव्य दिनकर

भागलपुर शहर में अब जन सुराज चारो ओर दिखने लगा है। पहले तो गाँव में दिखता ही था, अब प्रोफेसर देवज्योति के अथक प्रयास से भागलपुर के हर वाई हर गली में जन सुराज का चर्चा है। जन सुराज अब पनडोई और झंडिया छोड़ तीसरे विकल्प के रूप में मतदाताओं के सामने खड़ा है। प्रोफेसर देवज्योति का कहना है कि चुनाव के पहले ही जन सुराज बिहार की जनता को जीता दिया है। हम वृद्धा पेंशन को 400 से बढ़ाकर 2000 करने के लिए जोरदार आवाज उठाया। सरकार डर के मारे 1100 करने के लिए बाध्य हो गया। जन सुराज महिलाओं को सस्ता लोन देने की बात की तो सरकार जी-विका बैंक ला रही है। हमने हर जिले में नेतरहाट जैसा आवासीय विद्यालय खोलने के लिए दबाव डाला, सरकार वैसा विद्यालय खोलने का ऐलान कर दिया। जन सुराज पलायन को मुद्दा बनाया तो आज सभी राजनीतिक दल का मुख्य मुद्दा पलायन बन गया। अब जन सुराज बिहार की राजनीति का केंद्र बिंदु बन चुका है। देखना रह गया कि यहीं झुकाव चुनाव में वोट के रूप में दिखता है या नहीं !!!



5 जुलाई दिन शनिवार से देवघर के केकेएन स्टेडियम में शुरू होगा डॉ सुनील खवाड़े देवघर ट्रॉफी



देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आईपीएल के तर्ज पे टेनिस बॉल में भी देवघर के इतिहास में पहली बार केकेएन स्टेडियम में होगा डॉ सुनील खवाड़े देवघर ट्रॉफी सीजन एक फिजसका उद्घाटन 5 जुलाई दिन के 12 बजे मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार और डॉ सुनील खवाड़े रहेंगे, विशिष्ट अतिथि में देवघर जिला बॉलीबॉल संघ के मुख्य संरक्षक डॉ जे सी राजू हैंड बॉल संघ के चेयरमैन संजय मालवीय, ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, सचिव लॉन बॉल संघ कृष्ण कुमार, साइकिलिंग संघ के सचिव, ज्ञान शाही, युवा नेता राहुल चंद्रशेखर सहित ओलंपिक संघ से कई पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस ट्रॉफी में टोटल छह टीम भाग ले रही है। इस प्रकार है पी वी आर पैथर कैलाश फाइटर् इटालियन इलेवन मुकेश फलावर मां मनसा आर्रेंज लॉयन लिटिल पैराडाइज इलेवन यह ट्रॉफी 5 जुलाई से 16 जुलाई 2025 तक चलेगा। इसका ऑक्शन देवघर के उत्सव प्लेस में 29 जून को कराया गया जिसमें सभी टीम और आईकॉन खिलाड़ी मौजूद थे। आईकॉन की लिस्ट कुछ एक प्रकार है अकिंत पंडित मनीष यादव रंजीत यादव संजीव झा शालू मिश्रा उज्वल राय इस ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी चिक्की सिंह (11000) की राशि में जिसको सर्वाधिक बोली लगाकर पी वी ए पैथर ने अपने साथ जोड़ा। डॉक्टर सुनील खवाड़े ने कहा कि इस ट्रॉफी को कराने का मकसद है टेनिस बॉल क्रिकेट जो अभी पूरे विश्व में एक स्थान ले रहा है, जैसे कि इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) और टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग (टीबीसीपीएल), टेनिस बॉल का उपयोग करके आयोजित किए जाते हैं, वैसे ही यहां के खिलाड़ियों को एक प्लेटफॉर्म देना ताकि वो भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन बड़े स्तर पे भी कर सके। इस ट्रॉफी को अकिंत सपोर्ट्स के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अकिंत सपोर्ट्स के नीरज झा, पंकज कुमार, और खेल के आयोजन में अक्सर आगे रहने वाले डीएसए सचिव आशीष झा, ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा और सभी फ्रेंचाइजी का योगदान अहम है

जैकलीन फर्नांडिस

को 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में राहत नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें मनी लॉन्ड्रिंग केस में कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उन्हें सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में राहत नहीं मिल पा रही है। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में श्वशुर की ओर से दर्ज झूठे और चार्जशीट को जैकलीन ने चुनौती दी थी और इस केस को बंद करने की मांग की थी। मगर जैकलीन की याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। ईडी ने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ की लॉन्ड्रिंग के मामले में जैकलीन को आरोपी बनाया है। ED ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक अतीत की जानकारी होने के बावजूद जैकलीन उससे महंगे गिफ्ट आभूषण वगैरह ले रही थीं। इस मामले में जैकलीन को पूछताछ के लिए भी बुलाया जा चुका है। लेकिन एक्ट्रेस का ऐसा मानना है कि उन्हें इस मामले में गलत

फंसाया जा रहा है और उनका सुकेश चंद्रशेखर के साथ भी कोई रिलेशन कभी नहीं रहा है।

जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी सफाई में क्या कहा ?

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की बात करें तो उन्होंने अपनी सफाई में कहा था कि उन्हें जानबूझकर इस मामले में फंसाया गया है और उनके ऊपर लगाए गए सारे आरोप झूठे हैं। एक्ट्रेस के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर और अदिति सिंह ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। वे कभी भी सुकेश के साथ किसी रिलेशनशिप में नहीं रही हैं।

क्या है जैकलीन से जुड़ा पूरा मामला ?

इस मामले की बात करें तो साल 2021 में ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आया था। जांच में ये भी सामने आया था कि सुकेश के कई स्टार्स के साथ भी कनेक्शन हैं जिन्हें उसने महंगे गिफ्ट्स भी दिए थे। इसी दौरान जैकलीन फर्नांडिस समेत कुछ और स्टार्स का नाम भी सामने आया था। इसके बाद से ही जैकलीन निशाने पर हैं और उन्हें इस केस से छुटकारा नहीं मिल पाया है।

वर्क फ्रंट पर क्या कर रही जैकलीन ?

हालांकि इन सब चुनौतियों के बाद भी एक्ट्रेस वर्क फ्रंट पर सामंजस्य बनाने की कोशिश कर रही हैं। एक्ट्रेस की पिछली फिल्म हाउसफुल 5 थी। वहीं साल 2025 में वे अब तक रेड 2 और फतेह जैसी फिल्मों का हिस्सा बन चुकी हैं। फिलहाल वे वेल्कम टू द जंगल फिल्म का हिस्सा हैं।



22 साल पुरानी वो फिल्म, जिसमें अक्षय कुमार की जिद पर हुई करीना कपूर की एंट्री, मेकर्स को लगा करोड़ों का चूना



अक्षय कुमार सालभर फिल्मों में रिलीज करने के लिए जाने जाते हैं। हर साल उनकी 3-4 फिल्मों में आसानी से रिलीज हो ही जाती है। हाल ही में पूर्व सीबीएफसी प्रमुख और फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी ने अक्षय कुमार की 22 साल पुरानी एक फ्लॉप फिल्म को कार्टिंग को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे अक्षय के जोर देने पर उस फिल्म में यंग करीना कपूर को साइन किया गया था। फिल्ममेकर ने बॉलीवुड कार्टिंग को लेकर भी खुलकर बात की। पूर्व सीबीएफसी प्रमुख पहलाज निहलानी ने बॉलीवुड कार्टिंग के बदलते तौर-तरीकों और बढ़ते बजट के बारे में अपने विचार शेयर किए। यूट्यूब चैनल लर्न फ्रॉम द लीजेंड पर बात करते हुए उन्होंने 2003 की फिल्म तलाश द हंट बिगिनिंग के निर्माण के दौरान के एक पल को याद किया, जब अक्षय कुमार ने जोर देकर कहा था कि करीना कपूर को लीड रोल में लिया जाए।

अक्षय ने मेकर्स के सामने रखी थी ये शर्त

पहलाज निहलानी ने बताया कि कैसे कार्टिंग का फैसला पूरी तरह से डायरेक्टर और प्रोड्यूसर्स के अधिकार क्षेत्र में होता था, जिसमें एक्टर्स शायद ही कभी शामिल होते थे। उन्होंने कहा, पहले, निर्माता और निर्देशक कार्टिंग करते थे और हीरो कार्टिंग में नहीं बोला करते थे। मेरे साथ कार्टिंग में इंटरफेयर करने वाले पहले एक्टर अक्षय कुमार थे और फिल्म 2002 में 'तलाश' थी। उन्होंने मुझे कहा कि हम कल फिल्म शुरू कर सकते हैं, और आप मुझे जो भी आमार्ड देना चाहें दे सकते हैं, लेकिन इस फिल्म की हीरोइन करीना कपूर होंगी।

साल की सबसे महंगी फिल्म थी 'तलाश'

फिल्ममेकर ने बताया कि यह 'तलाश' उस समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी, इसे 22 करोड़ रुपये में बनाया गया था। यह उनके करियर में पहली बार था जब किसी एक्टर ने एक फिल्म एक्ट्रेस की मांग की थी।

पहलाज निहलानी ने बताया कि अक्षय का वो फैसला इमेज को लेकर था। उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए बताया, कभी-कभी, जैसे-जैसे एक्टर्स बूढ़े होते जाते हैं, वे यंग एक्ट्रेसों के साथ एक्टिंग करना चाहते हैं ताकि उनको खुद की उम्र कम दिखे। यह पहली बार था जब मैंने ऐसा सुना, लेकिन इन दिनों एक्टर्स ही सब कुछ तय करते हैं और निर्माता कूरियर सेवा के रूप में काम करते हैं। बता दें, 'तलाश' पर फ्लॉप साबित हुई थी।

1200 करोड़ छापने वाला सुपरस्टार, जिसे आलिया भट्ट ने एक नहीं, तीन बार ठुकरा दिया!



बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्मों की तैयारियों में बिजी हैं। यूं तो अपनी एक्टिंग और सफलता के चलते काफी डिमांड में हैं। पर एक्ट्रेस का पूरा फोकस इस समय आने वाली फिल्मों पर है। जल्द YRF स्पाई यूनिवर्स की ALPHA में दिखेंगी। जिसके लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं। वैसे तो आलिया भट्ट ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों दी हैं। इसी बीच आलिया साउथ के एक बड़े एक्टर को लेकर चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने तीन बार उनके अपोजिट ऑफर हुई फिल्म को ठुकराया दिया। आलिया भट्ट को साल 2022 में एसएस राजामौली की फिल्म में देखा गया था। RRR में एक्ट्रेस का कैमियो था, जहां वो राम चरण के साथ दिखी थीं। हालांकि, फिर ऐसे चर्चे हैं कि वो फहाद फाजिल के साथ काम करती नजर आएंगी।

आलिया ने 1200 करोड़ी एक्टर को ठुकराया ?

हाल ही में cinejosh पर एक रिपोर्ट छपी। इसके मुताबिक, आलिया भट्ट ने जूनियर NTR को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार रिजेक्ट किया है। ऐसी चर्चा है कि एक्ट्रेस को उनके अपोजिट तीन बार काम करने का ऑफर मिला था। पर वो मना करती चली गईं। हालांकि, इसके पीछे वजह पर्सनल नहीं, प्रोफेशनल है। कभी रोल पर्संद न आना, तो कभी सेकंड हीरोइन का रोल ऑफर होने पर उन्होंने न कह दिया। कहा जा रहा है कि कहानी पर्संद न आने की वजह से भी एक्ट्रेस ने मना किया था।

हालांकि, जूनियर एनटीआर को तीन बार ठुकराना बड़ी बात है। जिसने सभी फैन्स को हैरान कर दिया है। लोग चाहते हैं कि आलिया भट्ट भी जल्द जूनियर एनटीआर के अपोजिट दिखे। दरअसल जूनियर एनटीआर और राम चरण काफी अच्छे दोस्त हैं। और राम चरण की आलिया से भी अच्छी बॉन्डिंग है, लेकिन देखा होगा कि यह हो पाता है या नहीं।

इन फिल्मों से धूम मचाएंगे

जूनियर एनटीआर को पिछली फिल्म 'देवरा' थी, जो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। अब बारी है 'वॉर 2' की, जो 14 अगस्त को रिलीज होगी। श्रुतिक रोशन की फिल्म में वो विलेन बनने वाले हैं। वहीं इसके बाद प्रशांत नील के साथ एक पिक्चर में धमाल मचाते नजर आएंगे। हालांकि, आगे भी कई और डायरेक्टरों से उनकी बातचीत चल रही है। हालांकि, देवरा से पहले त्रिकर में दिखे थे, जिसने दुनियाभर से 1200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था।

यहां दाल नहीं गलने वाली...

तेजस्वी प्रकाश

संग रिश्ते को 'नकली' कहने वालों पर भड़के करण कुंद्रा

टीवी के पॉपुलर एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश का रिश्ता साल 2021 से लगातार सुर्खियों में है। 4 साल पहले 'बिग बॉस 15' के घर में शुरू हुई इनकी लव स्टोरी घर के बाहर भी टिकी हुई है और फैस इन्हें प्यार से 'तेजस्वी' कहकर बुलाते हैं। लेकिन हाल ही में कुछ सोशल मीडिया हैंडल और यूट्यूब चैनलों ने उनके रिश्ते को 'फर्जी' बताकर करण पर अपनी एक्स गलफेंड अनुषा दांडेकर को धोखा देने का आरोप लगाया। अक्सर इस तरह की खबरों को इग्नोर करने वाले करण कुंद्रा ने इस बार उनकी निजी जिंदगी को लेकर गलत खबरें फैलाने वालों की जमकर क्लास लगाई है।

करण कुंद्रा ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया हैंडल के थंबनेल के स्क्रीनशॉट शेयर किए। इन थंबनेल में तेजस्वी प्रकाश के साथ उनके रिश्ते को 'फेक और नकली' दिखाया जा रहा था और साथ ही इनमें से कुछ वीडियो में करण कुंद्रा पर ये आरोप भी लगाए गए थे कि उन्होंने अतीत में बिग बॉस में अपने एक को-स्टार को गाली दी थी और थप्पड़ भी मारा था। इन ट्रोल्स को करण जवाब देते हुए करण ने लिखा, 'थोड़ा और पैसा लगाओ तुम लोग जहाँ तो दाल गल नहीं रही है तुम्हारी।'

गॉसिप फैलाने वालों पर फूटा करण का गुस्सा

करण ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपने कई फैस को जवाब देते हुए ये भी

साफ किया कि उनके बारे में गलत खबरें फैलाने वाले कोई मीडिया न्यूज पेज या चैनल नहीं हैं, बल्कि सिर्फ पैसे के लिए झूठी खबरें लोगों में फैलाने वाले गॉसिप मॉनार्स हैं। उन्होंने लिखा, 'करेक्शन... ये कोई मीडिया पेज नहीं है ये पेज पैसे के लिए ऐसा करते रहते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'दरअसल मैं इन लोगों के लिए एक गो-फंड-मी शुरू करने के बारे में सोच रहा हूँ, क्योंकि ये सभी बेचारे बहुत कम बजट वाले पेजों को ही इस तरह की खबरें फैलाने के लिए पे (भुगतान) कर रहे हैं.. बहुत ही दुखद है'

शायी की झूठी खबरों पर भी तोड़ी थी चुप्पी

ये पहली बार नहीं है जब सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले करण ने अपने रिश्ते को लेकर उड़ रही अफवाहों पर बात की हो। 3 महीने पहले अप्रैल में करण ने उनके और तेजस्वी के नेटफिलिक्स के 'दुबई ब्रिगिंग' के आने वाले सीजन में शादी करने की खबर का खंडन किया था। उन्होंने कहा था कि 'मैं अब इन बातों से तंग आ गया हूँ, मैं सभी टैबलॉयड से कहना चाहता हूँ कि आप इस साल या फिर अगले साल मेरी शादी करवा देंगे, फिर आप में से कुछ लोग एक रियलिटी शो में मेरी सगाई का ऐलान भी कर देंगे, सिर्फ इसलिए क्योंकि हम इस समय दुबई में हैं। मैं ये भी समझता हूँ कि इस तरह की खबरों से आपको बहुत सारे नंबर मिल जाते हैं।'



